प्रयागराज, रविवार 19 अप्रैल 2026 से 25 अप्रैल 2026 तक
वर्ष-14, अंक-15
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

पोप के जंग खत्म करने वाले बयान पर ट्रम्प नाराज,कहा- उनको कोई बताये 'ईरान ने 42 हजार निहत्थे लोगों को मारा'

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर पोप लियो पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ईरान में पिछले दो महीनों में 42,000 से ज्यादा बेगुनाह और

निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या हुई है। ट्रम्प ने यह बयान तब दिया, जब पोप लियो ने ईरान के मुद्दे पर बातचीत और शांति की अपील की थी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के लिए यह बिल्कुल स्वीकार नहीं है कि ईरान परमाणु बम बनाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई पोप को बताए कि ईरान में इतने लोग मारे गए हैं।

ईरान के पास परमाणु हथियार होना बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। इससे पहले भी ट्रम्प पोप की आलोचना कर चुके हैं।वहीं पोप ने कहा कि वे राजनीति में नहीं पड़ना चाहते और न ही ट्रम्प के साथ किसी बहस में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मकसद सिर्फ शांति की बात करना है और दुनिया में युद्ध खत्म होना चाहिए। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1.अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई अस्थायी छूट अब कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

2. यूरोपीय देश युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य करने के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की योजना बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस प्रस्तावित मिशन में अमेरिका को शामिल नहीं किया गया है। 3. कनाडा ने लेबनान के लिए 40 मिलियन डॉलर (करीब 330 करोड़ रुपए) की मदद का ऐलान किया है। यह मदद अंतरराष्ट्रीय संगठनों के जरिए पहुंचाई जाएगी। 4. हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 34 सैन्य हमले किए हैं। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में इजराइल की बस्तियों, सैनिक जमावड़ों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। 5. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत अगले 2 दिनों में फिर से शुरू हो सकती है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 15 से 18 अप्रैल 2026 के बीच सऊदी अरब, कतर और तुर्किये का चार दिवसीय दौरा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर की संभावना जताई जा रही है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि शरीफ अपने दौरे के दौरान सऊदी अरब और कतर के नेताओं से मुलाकात करेंगे। तुर्किये में प्रधानमंत्री शरीफ एंटाल्या डिप्लोमेसी फोरम में हिस्सा लेंगे और राष्ट्रपति एर्दोगन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके अलावा, वह अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

इस दौरे में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार भी उनके साथ रहेंगे।

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसा
16 लोगो की दुःखद मौत,36 लोग झुलसे- वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 16 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 5 की मौत रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, 5 की जिला अस्पताल रायगढ़ और 2 की रायपुर

के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था।हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। फिलहाल 4 मृतकों की पहचान ठंडाराम और पप्पू कुमार और अमृत लाल पटेल (50) और यूपी के बृजेश कुमार के रूप में हुई है। बाकी की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजन ने हंगामा किया। उन्होंने प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। कुछ मजदूर लापता हैं। परिजन का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा है। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। वेदांता प्रबंधन ने मृतक परिजन को 35-35 लाख रुपए सहायता राशि और नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले पीएमओ ने मुआवजे की घोषणा की थी। पीएमएनआरएफ से हर मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया। प्लांट हादसे में घायल 10 लोगों का इलाज रायगढ़ के जिंदल अस्पताल में चल रहा है। सभी 15फीसदी से लेकर 95-100फीसदी तक झुलसे हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इनमें मनीष गिरी, कार्तिक महतो, बृजेश कुमार, केशव चंद्रा, भुवनेश्वर चंद्रा, अभिषेक चंद्रा, नदीम अंसारी, मिलन वारे, संदीप और शिवनाथ मुर्मू शामिल हैं। इसके अलावा, बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल रायगढ़ में बनवारी लाल, उपेंद्र और परदेशी लाल चंद्रा का इलाज जारी है। प्लांट सिक्योरिटी हेड प्रेम झा का कहना है कि हादसे में कुल 36 लोग घायल हुए हैं, जिसमें से 12 लोग छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। बाकी लोग बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के हैं। बॉडी जल हो गई है, इसलिए पहचान करने में मुश्किल हो रही है। अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे में अपनों को खो चुके माधव प्रसाद यादव ने बताया कि उसका छोटा भाई उद्धव सिंह यादव लापता है। न घर आया है और न ही अस्पताल में मिल रहा है। प्लांट प्रबंधन भी कोई जानकारी नहीं दे रहा है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कहा कि रायगढ़ के फोर्टिस हॉस्पिटल को छोड़कर रायपुर के डीकेएस हॉस्पिटल को भी आकस्मिक स्थिति और बेहतर इलाज के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इस घटना की मजिस्ट्रियल जांच करने के आदेश दिए हैं। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ और घायलों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है। बैज ने कहा कि इस घटना में 14 मजदूरों की मौत और 34 लोगों के घायल होने की खबर बेहद पीड़ादायक है।

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री,जेडीयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली

पटना। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर

के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। सम्राट चौधरी ने सुबह पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की थी। शपथ से पहले ही उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सरकार में बदलाव सोमवार को नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद हुआ। वे अब राज्यसभा सदस्य हैं।

वे 20 साल बिहार के सीएम रहे। सम्राट चौधरी राजभवन से निकल गए हैं। इस दौरान राजभवन के बाहर खड़े उनके समर्थकों ने सम्राट जिंदाबाद के नारे लगाए। सम्राट ने गाड़ी से ही हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। रोहिणी आचार्या ने एक्स पर लिखा- घोर बेईज्जती..चौबीस घंटे भी नहीं हुए और चाचा जी पोस्टर - विज्ञापन से भी गायब कर दिए गए... इस्तीफे के पहले तक, चाचा जी के बिदकने की आशंका में , चाचा जी को ये कह कर ताड़ पर चढ़ाया जा रहा था कि 'बिहार चाचा जी के हिसाब से, उनकी ही छत्रछाया में चलाया जाएगा', मगर इस्तीफा होते ही गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली जमात को चाचा जी की छाया व तस्वीर से भी ऐतराज हो गया ..चाचा जी आज जिस सिचुएशन में फंसे हैं, उसके लिए ही कहा गया है ' दुविधा में दोनों गए, माया मिली न राम' ..डिप्टी सीएम विजय चौधरी बोले- नीतीश मॉडल पर चलते रहेंगे-विजय कुमार चौधरी ने बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर कहा, 'मैंने जो आज शपथ ली है, इसके लिए मैं नीतीश कुमार के प्रति आभार प्रकट करता हूं। ये उन्हीं के विश्वास का नतीजा है कि मुझे ये जिम्मेदारी मिली है... जो उनके(नीतीश कुमार) रास्ते हैं, उनकी नीतियां हैं, उनके तरीके हैं, उनके कार्यक्रम है, उनके तरीके हैं, उनकी कार्यशैली है उसी पर चलने का काम हम करेंगे।'

नेपाल की नई विदेश नीति का ऐलान, भारत और चीन को लेकर पीएम बालेन का बड़ा फैसला,सैन्य गुटों से दूरी बनाई

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नई विदेश नीति का ऐलान किया है।

इसमें 'नेपाल सबसे पहले: नेपाली सबसे पहले' के सिद्धांत को प्राथमिकता दी गई है। नेपाल की नई विदेश नीति कई मायनों में पूर्ववर्ती सरकारों से अलग है। इसमें नेपाल की संप्रभुता के साथ-साथ आर्थिक विकास पर सबसे ज्यादा जोर है। इसके अलावा पड़ोसी देशों के साथ भी बराबरी के संबंध रखने की बात कही गई है। पीएम बालेन शाह की विदेश नीति की सबसे खास बात नेपाल को 'बफर स्टेट' से बदलकर एक 'ब्रिज' के रूप में बनाना है, जो आर्थिक साझेदारी और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। नई विदेश नीति में यह भी कहा गया है कि नेपाल किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं होगा। नेपाल की विदेश नीति से संबंधित कागजात में लिखा है, 'नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए, वैश्विक भू-राजनीति में हो रहे बदलावों और पड़ोसी शक्तियों के उदय को नेपाल के विकास के अवसर में बदलने के लिए एक संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाई जाएगी। नेपाल के राजनयिक मिशनों के कार्यों और जिम्मेदारियों, उनकी गतिविधियों और परिणामों का आकलन करने के लिए एक वैज्ञानिक 'प्रदर्शन लेखापरीक्षा' प्रणाली शुरू की जाएगी।' इसमें भारत-चीन संबंधों को लेकर लिखा है, 'नेपाल की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए, नेपाल को एक 'बफर स्टेट' से एक 'जीवंत सेतु' में परिवर्तित किया जाएगा, जो त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और संपर्क के माध्यम से राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित करेगा और विश्व शांति पर आधारित एक स्वतंत्र, तटस्थ और गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में नेपाल को विश्व मंच पर स्थापित करेगा।' बालेन शाह की सरकार ने भारत और चीन से परस्पर दूरी बनाने और स्वतंत्र विदेश नीति की बात भी कही है। उन्होंने लिखा, 'सभी के साथ समान दूरी और निकटता की नीति अपनाई जाएगी, यह मानते हुए कि कोई भी सैन्य गठबंधन, हथियारों की होड़ और युद्ध शांति में बाधक होगा। 'नेपाल प्रथमः नेपाली प्रथम' की अवधारणा को सभी कूटनीति के केंद्र में रखा जाएगा। आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ सागरमाथा संवाद जैसे कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे।' नेपाली सरकार ने आगे बताया, नई विदेश नीति में जलवायु परिवर्तन, हिमालय संरक्षण, पर्वतीय मुद्दों और चारों ओर से भू-भाग से घिरे देशों के साझा हितों के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर नेपाल की आवाज बुलंद की जाएगी।

विदेशों में कार्यरत नेपाली कामगारों के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

अमेरिका की होर्मुज नाकेबंदी तोड़ने के लिए चीन उतारेगा अपनी 'महाशक्तिशाली' नेवी?

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के फैसले ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। अमेरिकी नेवी ने सोमवार से होर्मुज समुद्री गलियारे से गुजरने वाले जहाजों

का रास्ता ब्लॉक किया है। इस पर भड़के चीन ने ऐलानिया कहा है कि हमें कोई तीसरा देश ईरान से अपने जहाज लाने से नहीं रोक सकता है। दूसरी ओर अमेरिका ने धमकी दी है कि ईरान से आने वाले चीन के ऑयल टैंकर रोके जाएंगे। इससे बढ़ते तनाव के बीच ये सवाल तेजी से उभरा है कि क्या चीन अपनी नेवी को होर्मुज की तरफ भेजेगा। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। चीन ने ईरान पर हमले का विरोध किया है लेकिन अब तक उसका रुख काफी संतुलित रहा है। हालांकि अब यह टकराव चीन को अपनी चपेट में लेता दिख रहा है। इसकी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति है। अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के निशाने पर ईरान के साथ चीन भी है। ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार चीन है। चीन के कुल तेल आयात का 40 फीसदी हिस्सा होर्मुज के समुद्री रूट से होकर गुजरता है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले चीन को वेनेजुएला से तेल हासिल करने से रोक चुका है। अब वह चीन को ईरान से तेल हासिल करने से रोकने की कोशिश कर रहा है। चीनी रक्षा मंत्री ने अमेरिकी को उसके जहाजों से दूर रहने की चेतावनी दी तो ट्रंप के वित्त मंत्री ने कहा है कि चीन अब ईरानी तेल को भूल जाए। यह स्थिति दोनों पक्षों में एक टकराव की जमीन तैयार कर रही है। खासतौर से चीन की ईरानी तेल पर निर्भरता और क्षेत्र में प्रभाव के लिहाज से बीजिंग इस क्षेत्र को आसानी से नहीं छोड़ने जा रहा है। कनाडाई भू-राजनीतिक विशेषज्ञ दिमित्री लास्करिस कहते हैं, 'अमेरिका का कदम ना केवल ईरान के खिलाफ तनाव बढ़ाने वाला है बल्कि यह चीन के से भी तनातनी को बढ़ावा देता है। ईरान और खाड़ी देशों से मिलने वाले तेल पर बीजिंग की निर्भरता इतनी ज्यादा है कि नाकेबंदी उसे विचलित करते हुए कड़े कदम उठाने पर मजबर कर सकती है।' प्रोफेसर झांग लुन ने डीडब्ल्यू से बात करते हुए कहा कि वॉशिंगटन का यह कदम चीन को इस टकराव में खींच लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह चीन पर प्रेशर बनाने के लिए है ताकि वह ईरान पर समझौते के लिए दबाव डाले। ये साफ है कि अमेरिकी नौसेना का चीन से जुड़े किसी तेल टैंकर को रोकने का प्रयास भारी तनाव पैदा कर सकता है। चीनी जहाज बढ़ाएंगे उपस्थिति बीते कुछ महीनों में चीनी नेवी के जहाजों ने इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है।

बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पास स्थित जिबूती में अपने बेस से चलने वाले जहाज खाड़ी के करीब आए हैं। चीन ने फरवरी में ही ओमान की खाड़ी के पास अपने एक ताकतवर डिस्ट्रॉयर (जंगी जहाज) को तैनात किया था।

एमपी के नर्मदापुरम में पारा 42से. पार,महाराष्ट्र-तेलंगाना में लू की चेतावनी,केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी

लखनऊ। देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान बढ़ने लगा है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में पारा 40से. के पार पहुंच गया है। राजस्थान में मंगलवार

को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। बाड़मेर और जैसलमेर में तापमान 41से. के पार पहुंच गया। मध्य प्रदेश के तीन जिलों में भी पारा 40से. से ऊपर रहा, जहां नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 42.1से. दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के बांदा में अधिकतम तापमान 40.4से. रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो सप्ताह में तापमान 6 से 8से. तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर और असम समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हुई। अगले दो दिन के मौसम का हाल-16 अप्रैल: असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हल्की बर्फबारी की संभावना है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लू चलने की शुरुआत होगी। तेलंगाना और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में तापमान बढ़ेगा। 17 अप्रैल: पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में बर्फबारी के साथ ओले गिरने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लू चलेगी, जबकि पश्चिमी राजस्थान और झारखंड में भी हीटवेव की शुरुआत हो सकती है।

पाकिस्तानी मिसाइलों पर क्यों भड़कीं थीं तुलसी गबाई? अमेरिकी डर की असल वजह!

वॉशिंगटन। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर

तुलसी गबाई ने 18 मार्च को सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को बताया था कि पाकिस्तान शायद एक ऐसा आईसीबीएम इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल बना सकता है जो अमेरिकी धरती पर हमला करने में सक्षम हों। तुलसी गबाई के इस दावे से वॉशिंगटन परेशान हो गया था तो इस्लामाबाद घबरा गया था कि अमेरिका ने इसकी चोरी पकड़ ली है। इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान के पास फिलहाल आईसीबीएम मिसाइलें नहीं हैं लेकिन वो काम कर रहा है। पाकिस्तान भविष्य में आईसीबीएम मिसाइल बना लेगा अमेरिका ने ये चिंता जताई थी। लेकिन पाकिस्तान के ही कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका के डर की असल वजह पाकिस्तान की भविष्य में आईसीबीएम मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं है। असल में अमेरिका आईसीबीएम का डर ध्यान भटकाने के लिए दिखा रहा है। वो असली मुद्दे से ध्यान भटका रहा है। असल में अमेरिका का डर पाकिस्तान की 'टेक्टिकल मिसाइलें हैं। तकनीकी और आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान के पास वर्तमान में कोई आईसीबीएम यानी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (5,500 किमी से ज्यादा रेंज वाली) नहीं है। डिफेंस वेबसाइट Quwa में पाकिस्तान के एयरोस्पेस इंजीनियर असीम ने इसपर बात की है। असीम के पास फ्लाइट डायनामिक्स और कंट्रोल में पीएचडी है और फाइटर प्रोग्राम्स और मिसाइल गाइडेंस में प्रैक्टिकल अनुभव है। असीम ने कहा कि अमेरिका ने जिन पांच देशों के नाम लिए उनमें पाकिस्तान के अलावा चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान है। लेकिन उसने भारत का नाम नहीं लिया जबकि भारत के पास अग्नि 5 आधिकारिक परीक्षण भी कर चुका है। पाकिस्तान इस हफ्ते भी एक मिसाइल का ने उत्तरी अरब सागर के एक बड़े हिस्से में नोटम जारी किया है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रूज मिसाइल का परीक्षण कर सकता है। पाकिस्तान के NOTAMऔर उससे जुड़ी समुद्री चेतावनी ने 14 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच कराची, ओरमारा, ग्वादर और सोनमियानी के पास के समुद्री इलाकों में एक बड़ा प्रतिबंधित क्षेत्र स्थापित कर दिया है।

पाकिस्तान में पल रहे हमास के लड़ाके! सीनेटर मुशाहिद हुसैन का बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पहली बार सार्वजनिक मंच से हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग देने की बात कबूल की है। पाकिस्तानी सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने कबूला है कि उन्होंने पाकिस्तान के नेवी वॉर कॉलेज में दो फिलिस्तीनी

कैडेट्स को देखा था। उन्होंने कहा कि उन फिलिस्तीनी कैडेट्स को पाकिस्तान में ट्रेनिंग दी जा रही थी।

इस खुलासे को इजरायल और भारत के लिए चिंता की बात माना जा रहा है। हमास से पाकिस्तान की नजदीकी न तो भारत के लिए अच्छा है और ना इजरायल के लिए। इससे पहले हमास के कई वरिष्ठ नेता नियमित रूप से पाकिस्तान का दौरा करते रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया को दिए इंटरव्यू में सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने कहा, 'कल, या उससे एक दिन पहले, मैं पाकिस्तान नेवी वॉर कॉलेज में था। वहाँ दो फिलिस्तीनी कैडेट थे। हम किसी भी पाकिस्तानी सैन्य संस्थान में जाएं, वहां हमें ऐसे फिलिस्तीनी अधिकारी मिलते हैं जिन्हें पाकिस्तान में ट्रेनिंग दी जा रही है। और हाल ही में, जाहिर है, हमने हमास के कुछ लड़ाकों को भी स्वीकार किया, और साथ ही गाजा से आए उन शरणार्थियों को भी, जो पढ़ाई कर रहे थे; हमने उन्हें स्कॉलरशिप दीं-वे लड़के और लड़कियां जो बेघर हो गए थे और अनाथ थे-ताकि वे पाकिस्तानी शिक्षण संस्थानों में अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।' पाकिस्तान के हमास के साथ संबंध बहुत पुराने हैं।

पाकिस्तान शुरू से ही फिलिस्तीन राष्ट्र के लिए हमास के हथियारबंद आंदोलन का समर्थक रहा है। वैसे तो पाकिस्तान के हमास के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं, लेकिन फिलिस्तीनी मुद्दे पर दोनों एक साथ दिखाई देते हैं। पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर 'फिलिस्तीन मुक्ति संगठन' (पीएलओ) और 'फिलिस्तीनी प्राधिकरण' को ही फिलिस्तीन का असली प्रतिनिधि मानता है।

वह हमास को औपचारिक मान्यता नहीं देता। इसके बावजूद वह हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग दे रहा है। 2006 में जब हमास ने फिलिस्तीनी चुनाव जीता था, तब हमास के तत्कालीन विदेश मंत्री महमुद अल-जहर ने पाकिस्तान का दौरा किया था।

इस दौरान पाकिस्तानी सरकार से फिलिस्तीन के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया था। पाकिस्तान के वरिष्ठ राजनेता और धार्मिक नेता हमेशा से ही हमास के समर्थक रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बदलेगी देश की राजनीति की तस्वीर-डॉ. दीप्ति सिंह

कलेक्ट्रेट में प्रेस वार्ता, 33फीसदी महिला आरक्षण को बताया ऐतिहासिक कदम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को नई नीति निर्धारण में भागीदारी को मजबूत करना है। डॉ. दीप्ति सिंह ने कहा कि अधिनियम के तहत जनजाति वर्ग की महिलाओं के लिए भी विशेष प्रावधान है। एससी और एसटी के लिए आरक्षित सीटों में

ताकत देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब चर्चा के केंद्र में है। शुक्रवार को सोनभद्र कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में इस कानून को महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि लोकसभा, विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद देश की राजनीति की तस्वीर बदल जाएगी। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति सिंह और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गीता जायसवाल ने की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक बड़ा और दूरगामी प्रभाव वाला कानून है। इस कानून का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की राजनीति और लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित किए जाने का प्रावधान है। इसे राजनीति में लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया गया कि महिला आरक्षण लागू होने से पहले देश में जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करना जरूरी होगा। परिसीमन के बाद ही आरक्षण व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू हो सकेगी। डॉ. गीता जायसवाल ने जानकारी दी कि महिलाओं के लिए यह आरक्षण प्रारंभिक तौर पर 15 वर्षों तक लागू रहेगा। हर परिसीमन के बाद आरक्षित सीटों का रोटेशन किया जाएगा, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों की महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सके। अधिनियम में अनुसूचित जाति और अनुसूचित से एक-तिहाई सीटें संबंधित वर्ग की महिलाओं के लिए सुरक्षित रहेंगी। वहीं ओबीसी महिलाओं के लिए उप-कोटा को लेकर चर्चा अभी जारी है। विशेषज्ञों ने बताया कि वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी करीब 15 प्रतिशत के आसपास है, लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 33 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इससे न केवल महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूती मिलेगी, बल्कि देश में अधिक समावेशी और संतुलित शासन व्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर नमिता शरण, सरिता सिंह, विद्या देवी, इन्द्रावती देवी, दीपिका सिंह और साधना मिश्रा समेत कई महिला अधिकारी और कार्मिक मौजूद रहीं। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह अधिनियम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वर्ण पदक जीतने पर कु0 आस्था सेन को सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ग्वालियर। संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की जयंती के शुभ आयोजित जू-जित्सू प्रतियोगिता में पाकिस्तान की खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

अवसर पर, हमारे सेन समाज की बिटिया - कु.आस्था सेन पुत्री मंगल सेन को, श्री गणेश मंदिर कंपू पर बर्तमान अध्यक्ष एवं कमेटी मेंबर तथा समाज के बरिष्ठजनों एवं समाज की महिला शक्ति द्वारा सम्मानित किया गया। कु. आस्था सेन ने एशियन रिजनल चैंपियनशीप - श्री लंका में हम सभी कु.आस्था सेन एवं उनके परिवार को बहुत बधाई देते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं,कि कु.आस्था, सेन समाज और भारतवर्ष का यूं सम्मान बढ़ाती रहें। हमारे समाज के अधिक से अधिक बच्चे, इसी तरह किसी न किसी क्षेत्र में सेन समाज का और भारत देश का नाम रौशन करें।

ओबरा में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन, ब्लाक प्रमुख लीला देवी ने किया शुभारंभः 33% महिला आरक्षण से पंचायत से संसद तक बढ़ेगी भागीदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विधानसभा ओबरा के बाड़ी टोला में शुक्रवार को नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चोपन ब्लाक प्रमुख लीला देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की संयोजक मीनू चौबे रहीं। महिला मोर्चा अध्यक्ष पुष्पा सिंह और कुसुम

शर्मा के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में केंद्र सरकार द्वारा पारित महिला आरक्षण बिल पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि चोपन ब्लाक प्रमुख लीला देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण का बिल पास होना ऐतिहासिक कदम है। इससे पंचायत चुनाव से लेकर पार्लियामेंट तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में यह निर्णय मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। महिला मोर्चा अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकार के लिए काम किया है। यह बिल महिलाओं को राजनीतिक रूप से और मजबूत करेगा। कार्यक्रम संयोजक मीनू चौबे ने कहा कि अब गांव की बेटियां व महिलाए भी विधायक और सांसद बनकर क्षेत्र का विकास करेंगी। इस अवसर पर भाजपा की महिला कार्यकर्ता व पदाधिकारी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम में जिला महामंत्री गुड़िया त्रिपाठी, अंजना सिंह, सविता, किरण सिंह, आरती चौबे, सुनीता, गीता संजू, मंजू, रीना, मीना, हेमलता सहित दर्जनों महिलाएं मौजूद रहीं। सभी ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि यह निर्णय नए भारत की नींव रखेगा।

सिर्फ नाम नहीं, विचारों को अपनाए देश - मुकेश रस्तोगी

भारत रत्न से भी ऊपर सम्मान की मांग तेज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर राजनीति पर उठे सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 30प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते

हुए कहा है कि भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर को 'भारत रत्न' से भी बड़े किसी सर्वोच्च सम्मान से नवाजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई सम्मान वर्तमान में मौजूद नहीं है, तो केंद्र सरकार को अम्बेडकर जी के अतुलनीय योगदान को देखते हुए एक नए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान की स्थापना करनी चाहिए। श्री रस्तोगी ने कहा कि आज देश में लगभग सभी राजनीतिक दल डॉ. अम्बेडकर के नाम का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन उनके विचारों और सिद्धांतों को धरातल पर लागू करने में गंभीरता की कमी दिखाई देती है। उन्होंने विशेष रूप से सत्ताधारी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि अम्बेडकर जी के नाम पर योजनाओं और स्मारकों की घोषणा तो की जाती है, लेकिन सामाजिक समानता, शिक्षा और आर्थिक न्याय के मुद्दों पर ठोस कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में अम्बेडकर जी के मूल विचार - 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' को नजरअंदाज किया जा रहा है। दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा, जो चिंताजनक है। श्री रस्तोगी ने कहा कि केवल प्रतीकात्मक सम्मान देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्ष और आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है। अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने सामाजिक भेदभाव और छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उन्हें स्कूलों में भेदभाव सहना पड़ा, सार्वजनिक स्थानों पर अपमान झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्होंने विदेशों का रुख किया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च डिग्रियां हासिल कर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने एक ऐसे संविधान की रचना की, जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी दी गई। उन्होंने महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के हित और सामाजिक न्याय के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। श्री रस्तोगी ने यह भी कहा कि यदि देश वास्तव में अम्बेडकर जी को सम्मान देना चाहता है, तो केवल भारत रत्न पर्याप्त नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि 'संविधान शिल्पकार सम्मान' या 'विश्व सामाजिक न्याय रत्न' जैसे नए सर्वोच्च सम्मान की स्थापना की जाए, जो उनके वैश्विक योगदान को मान्यता दे सके। श्री रस्तोगी ने देश के सभी सामाजिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों से अपील की कि वे इस मांग का समर्थन करें और सरकार पर दबाव बनाएं, ताकि डॉ. अम्बेडकर जी को उनके कद के अनुरूप सर्वोच्च सम्मान दिया जा सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अम्बेडकर जी के विचारों को लागू करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, न कि केवल राजनीतिक मंचों पर उनका नाम लेना।

अनुगूंज में प्रतिभाओं की गूंज, फिरोज गांधी कॉलेज के सांस्कृतिक मंच पर बिखरे कला के रंग

नृत्य, लघु नाट्य और पुरस्कार समारोह ने बांधा समां, छात्र-छात्राओं की सृजनात्मक प्रस्तुतियों ने जीता सभी का मन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। फिरोज गांधी कॉलेज, में विद्यार्थियों ने समकालीन सामाजिक विषयों को प्रभावशाली अभिनय के

रायबरेली में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अनुगूंज 2025-26' के अंतर्गत नृत्य प्रतियोगिता, लघु नाट्य प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता, अनुशासन और कलात्मक अभिव्यक्ति से ऐसा वातावरण निर्मित किया कि पूरा परिसर देर तक तालियों की गूंज से सराबोर रहा। महाविद्यालय के सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुत एकल नृत्य, समूह नृत्य और लघु नाटकों ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए सामाजिक सरोकारों से भी परिचित कराया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से कला को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उसे संवेदनाओं और संदेश का प्रभावी माध्यम बनाया। लघु नाट्य प्रतियोगिता साथ मंचित किया, वहीं नृत्य प्रतियोगिता में शास्त्रीय और आधुनिक शैली का सुंदर समन्वय देखने को मिला। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, मंच संचालन, प्रस्तुति और विषय की गहराई को आधार बनाकर विजेताओं का चयन किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार, प्रमाण-पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति की सह-संयोजक डॉ. शामिनी श्रीवास्तव ने प्रभावशाली ढंग से किया। उनके संयमित और सजीव मंच संचालन ने पूरे आयोजन को गरिमा प्रदान की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय प्रबंध सचिव इं. अतुल भार्गव ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति के माध्यम से छात्र जीवन को समृद्ध बनाना भी संस्थान की जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथियों एवं महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि फिरोज गांधी कॉलेज न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार ने इसे विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मक ऊर्जा का जीवंत उत्सव बताते हुए सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। 'अनुगूंज' का यह आयोजन महाविद्यालय के सांस्कृतिक इतिहास में एक यादगार अध्याय के रूप में दर्ज हो गया।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने रेल डाक सेवा, अहमदाबाद में डिविजनल लेवल ट्रेनिंग सेंटर का किया उद्घाटन

अहमदाबाद। आईगॉट कर्मयोगी के माध्यम से आधुनिक प्रशासनिक एवं प्रबंधन प्रशिक्षण, सेवा गुणवत्ता में हो रहा निरंतर सुधार-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव। वर्तमान समय में डाक विभाग तेजी से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है,

ऐसे में अधिकारियों व कर्मचारियों का निरंतर प्रशिक्षण एवं कौशल उन्नयन अत्यंत आवश्यक है। पोस्टल सेवाओं में दक्षता, तकनीकी सशक्तिकरण एवं निरंतर क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 17 अप्रैल 2026 को रेल डाक सेवा 'ए एम' मंडल, अहमदाबाद में डिविजनल लेवल ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन पोस्टमास्टर जनरल, उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, अहमदाबाद श्री कृष्ण कुमार यादव द्वारा किया गया। उन्होंने 'फंडामेंटल्स ऑफ जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' का प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक, रेल डाक सेवा, श्री पियूष रजक भी उपस्थिति रहे। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि आईगॉट (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) - कर्मयोगी प्लेटफॉर्म इस दिशा में एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है, जिसके माध्यम से अधिकारियों-कर्मचारियों को आधुनिक प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है। आईगॉट (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) - कर्मयोगी की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत की गई थी। इसका उद्देश्य देश के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को सतत, तकनीक-आधारित एवं प्रदर्शन-उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें अधिक सक्षम, उत्तरदायी, नवाचारशील एवं नागरिक-केंद्रित बनाना है। यह संपूर्ण पहल 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि वर्तमान में उत्तर गुजरात परिक्षेत्र में 08 डिविजनल लेवल ट्रेनिंग सेंटर एवं 01 रीजनल लेवल ट्रेनिंग सेंटर सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जो डाककर्मियों के सतत प्रशिक्षण एवं कौशल उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उत्तर गुजरात परिक्षेत्र में 13,000 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है, जिसमें 10,000 डिविजनल लेवल ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से तथा 3,000 ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षित हुए हैं। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक विभाग द्वारा आईगॉट प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभिन्न समसामयिक एवं उपयोगी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें कंडक्ट रूल्स, इफेक्टिव कम्युनिकेशन, पोस्ट ऑफिस रेगुलेशन्स 2024, एमआइएस रिपोर्ट्स अंडर एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी 2.0, मैनेजिंग एंड लीडिंग टीम तथा फंडामेंटल्स ऑफ जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों को न केवल तकनीकी दक्षता प्राप्त हो रही है, बल्कि नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की क्षमता भी सुदृढ़ हो रही है। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक, रेल डाक सेवा श्री पियूष राजक ने कहा कि इस ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से रेल डाक सेवा के कर्मियों को प्रशिक्षण हेतु अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इस सेंटर के माध्यम से 800 से अधिक कर्मियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त होगा, जिससे उनकी कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता एवं तकनीकी दक्षता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण केंद्र का पूर्ण एवं अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक, रेल डाक सेवा श्री पियूष रजक, सहायक निदेशक श्री वी एम वहोरा, श्री अल्पेश शाह, सहायक डाक अधीक्षक श्री रितुल गाँधी, सुश्री प्रेयल शाह, डाक निरीक्षक सुश्री सोनल देसाई, श्री विजय राठौड, श्री रोनक शाह, डीसीटीसी प्रशिक्षक श्री संजय चौहान सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुत्र की हत्या के आरोपियों पर कार्रवाई की पीड़ितों ने की मांग,पीड़ित मां ने कलेक्ट्रेट में दिया ज्ञापन,सीबीआई जांच की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में मृतक युवक सौरभ शर्मा

के परिजनों ने जिलाधिकारी को नामित ज्ञापन सौंपकर हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी और विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करने की गुहार लगाई। पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच के लिए क्राइम ब्रांच, एसटीएफ या सीबीआई से जांच कराने की मांग की। मृतक की मां अंगिरा शर्मा पत्नी श्याम बिहारी शर्मा, निवासी ग्राम गोरडीहा, पोस्ट राबर्ट्सगंज, ने बताया कि उनके 19-20 वर्षीय इकलौते पुत्र सौरभ शर्मा की 30 मार्च 2026 की रात लगभग 9 से 10 बजे के बीच हत्या कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या में गांव के ही कई लोग शामिल थे और धारदार हथियारों से वार किया गया। ज्ञापन में अंगिरा शर्मा ने कहा कि गांव की एक लड़की ने उनके पुत्र को प्रेम जाल में फंसाकर पैसे की मांग की। सौरभ शर्मा ने करीब 2 लाख 50 हजार रुपये लड़की की मां के बैंक खाते व अन्य जगह ट्रांसफर किए और 2 लाख रुपये नगद दिए। आरोप है कि लड़की बनारस में पढ़ाई करती थी और मां-बेटी शादी का झांसा देकर पैसे ऐंठती रहीं। यह सिलसिला करीब दो साल चला। पीड़िता के अनुसार, जब सौरभ को लड़की की दूसरी जगह शादी तय होने की जानकारी मिली तो उसने दिए गए पैसे वापस मांगे। आरोप है कि मां-बेटी ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। 30 मार्च 2026 को राबर्ट्सगंज कोतवाली में सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर 31 मार्च को समाधान का आश्वासन दिया। श्री शर्मा का आरोप है कि थाने से लौटते समय लड़की व उसके पिता ने सौरभ को धमकी दी कि पैसे मांगे तो जान से मार देंगे। रात में घर लौटते समय लड़की के घर के पास घात लगाए परिजनों व अन्य लोगों ने सौरभ पर हमला कर दिया। ज्ञापन में दावा किया गया कि देवदत्त शर्मा उर्फ छेदीया ने सौरभ को पकड़कर गिरा दिया, जिसके बाद अन्य आरोपियों ने धारदार हथियारों से वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की मां ने आशंका जताई कि आरोपी परिवार अब भी धमकी दे रहा है और अनहोनी की आशंका है। उन्होंने लोकल पुलिस और डॉक्टर पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साक्ष्य छुपाने का भी आरोप लगाया। पीड़ित परिवार ने मांग की कि उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई ऐसी घटना को अंजाम देने की सोच भी न सके। ज्ञापन लेने के बाद संबंधित अधिकारी ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च द्वारा दो दिवसीय '9th इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ग्लोबल बिज़नेस इनोवेशंसः इनक्लूशन एंड एक्सपेंशन' का सफल आयोजन पीजीडीएम ऑडिटोरियम, जीएलबीआईएमआर कैंपस में किया गया। यह सम्मेलन वैश्विक व्यापार नवाचार, समावेशन एवं विस्तार जैसे समसामयिक विषयों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से हुआ। दो दिवसीय इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ. भीमराया मेत्री, निदेशक IIM नागपुर ने अपने संबोधन में कहा, 'वैश्विक व्यापार परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में नवाचार अनिवार्य हो गया है। शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय समय की मांग है। शोधार्थियों को अपने शोध में गुणवत्ता, प्रासंगिकता एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, ताकि उनका कार्य समाज और उद्योग दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध हो।' विशिष्ट अतिथि डॉ. ममता रानी अग्रवाल, एडिशनल सेक्रेटरी, ए आई यू ने कहा, 'उच्च शिक्षा में समावेशिता, नवाचार एवं शोध की भूमिका अत्यंत

महत्वपूर्ण है। गुणवत्तापूर्ण शोध देश के समग्र विकास में योगदान देता है। शोधार्थियों को नई तकनीकों और अंतःविषय दृष्टिकोण अपनाकर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहना चाहिए।' कार्तिकेय अग्रवाल, सीईओ, जीएल बजाज ग्रुप ऑफ़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने कहा, 'इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय मंच हमारे छात्रों और फैकल्टी को वैश्विक रुझानों से जोड़ते हैं। समावेशन और नवाचार के बिना विस्तार संभव नहीं है। जीएल बजाज ऐसे आयोजनों के माध्यम से शोध और उद्योग जगत के बीच सेतु का कार्य करता रहेगा।' डॉ. सपना राकेश, डायरेक्टर, जीएल बजाज इंस्टिट्यूट आफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने कहा, '9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हमारे लिए गर्व का विषय है। विभिन्न ट्रैक्स में प्रस्तुत शोध पत्रों ने विषय की गहराई और विविधता को दर्शाया। यह मंच न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान का माध्यम बना, बल्कि प्रतिभागियों को नए विचारों और सहयोग के अवसर भी प्रदान किए।' सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शोधार्थियों ने डेटा एनालिसिस, मार्केटिंग, एचआर तथा फाइनेंस जैसे ट्रैक्स में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इन सत्रों में गहन चर्चा एवं ज्ञानवर्धन का माहौल रहा। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार बन गया।प्रथम दिन का समापन डॉ आदर्श गर्ग एवम डॉ आनंद राय , कांफ्रेंस कन्वीनर के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

देश में 'विकृत जिहादी मानसिकता' और अवैध कब्जों पर कठोर कार्रवाई की मांग,विरोध प्रदर्शन कर बजरंग दल ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मुख्यालय स्थित बड़ौली चौराहे पर विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को नामित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में देश में बढ़ती 'विकृत जिहादी मानसिकता', अवैध कब्जों और सुनियोजित षड्यंत्रों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई।कार्यक्रम का नेतृत्व बजरंग दल के जिला अध्यक्ष विद्या शंकर पांडे ने किया। उन्होंने कहा कि बजरंग दल इस ज्ञापन के माध्यम से देश में व्याप्त गंभीर चुनौतियों और समाज विरोधी गतिविधियों की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता है। ज्ञापन में कहा गया कि देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने वाली 'विकृत जिहादी मानसिकता' वर्तमान में राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए बड़ा खतरा बन गई है। ज्ञापन के मुख्य बिंदु-जिला अध्यक्ष विद्या शंकर पांडे ने बताया कि 'लव जिहाद'

का जाल अब सुशिक्षित समाज और व्यावसायिक क्षेत्रों तक फैल चुका है। ज्ञापन में नासिक टीसीएस के आसपास उजागर हुए प्रकरणों का उल्लेख किया गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि अमरावती में मोहम्मद अयाज नाम के व्यक्ति द्वारा नाबालिग हिन्दू कन्याओं के शोषण और ब्लैकमेल का गंभीर मामला सामने आया है। संगठन का दावा है कि देश भर में हिन्दू कन्याओं के शारीरिक शोषण और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। बजरंग दल ने 'लैंड जिहाद' का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश के विभिन्न नगरों में वन भूमि, सार्वजनिक भूमि, रेल विभाग एवं सेना की सुरक्षित भूमि पर सुनियोजित तरीके से अवैध कब्जे किए जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती हैं। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि समाज में वैमनस्य फैलाने के उद्देश्य से खान-पान की वस्तुओं को अपवित्र करने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अल्पसंख्यक हिंदू परिवारों और जनजाति समाज की अवयस्क बालिकाओं का शारीरिक व मानसिक शोषण कर उन्हें पलायन के लिए विवश किया जा रहा है। संगठन की प्रमुख मांगें:-1. राष्ट्र विरोधी और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को चिह्नित कर त्वरित एवं कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। 2.सार्वजनिक एवं सरकारी भूमि पर हुए सभी अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाए। 3. 'लव जिहाद' और जबरन धर्मांतरण रोकने हेतु कठोर केंद्रीय कानून लागू किया जाए। 4.जनजातीय क्षेत्रों में हो रहे शोषण को रोकने हेतु विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। जिला अध्यक्ष विद्या शंकर पांडे ने कहा कि बजरंग दल राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन को असामाजिक तत्वों पर नकेल कसनी चाहिए ताकि देश में शांति और सद्भाव बना रहे। इस मौके पर प्रांत उपाध्यक्ष जनार्दन जी, नरेंद्र कुमार, हरिशंकर वर्मा, संतोष पांडे, देवानंद, रजत भाटिया, कमलेश दुबे, वीरेंद्र तिवारी, अजय सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार करते नवोदय विद्यालय, शिक्षा के साथ संस्कारों का भी दे रहे संदेश-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

देश भर में नवोदय विद्यालय के 17 लाख से अधिक पुरा विद्यार्थियों का नेटवर्क समाज को नई दिशा देने के लिए तत्पर-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव,नवोदय ने हम सभी को बहुत कुछ दिया है, अब 'पे बैक टू सोसाइटी' की जरुरत-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) आज़मगढ़। शिक्षा ही वह रोशनी है, जिससे एक समृद्ध, सक्षम और विकसित भारत गढ़ा जा सकता है। एक सरकारी संस्थान होने के बावजूद नवोदय विद्यालय अपनी उत्कृष्ट शिक्षा व बेहतर परीक्षा परिणामों की वजह से आज शीर्ष पर है। राजनीति, प्रशासन, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शैक्षणिक, सैन्य सेवाओं से लेकर विभिन्न प्रोफेशनल सेवाओं, बिजनेस और सामाजिक सेवाओं में नवोदयन्स पूरे भारत ही नहीं वरन पूरी दुनिया में पहचान बना रहे हैं। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी जी की प्रेरणा से 13 अप्रैल, 1986 को दो नवोदय विद्यालयों से आरंभ हुआ यह सफर आज 661 तक पहुँच चुका है। नवोदय अपनी स्थापना के 40 साल पूरा कर रहा है। देश भर में नवोदय विद्यालय के 17 लाख से अधिक पुरा विद्यार्थियों का नेटवर्क समाज को नई दिशा देने के लिए तत्पर हैं। 'वसुधैव कुटुंबकम् एवं 'शिक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइए' की भावना से प्रेरित नवोदय में जाति, संप्रदाय, क्षेत्र से परे सिर्फ राष्ट्र प्रेम की भावना है। उक्त उद्गार नवोदय विद्यालय, आज़मगढ़ के पुरा छात्र एवं पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने 'नवोदय स्थापना दिवस' पर व्यक्त किये। नवोदय विद्यालय से सिविल सर्विसेज में चयनित आरंभिक विद्यार्थियों में रहे पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि, वर्ष 2001 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भारत की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने के उपरांत पिछले 24 सालों में देश के विभिन्न भागों में पदस्थ रहा, परन्तु इतना अवश्य कहूँगा कि यदि मैं नवोदय विद्यालय में नहीं रहता तो शायद ही यहाँ तक पहुँच पाता। श्री यादव ने कहा कि, मुझे गर्व है कि मैं नवोदय का हिस्सा रहा हूँ। हमारे व्यक्तित्व

और कैरियर के निर्माण में नवोदय का बहुत बड़ा योगदान रहा है। नवोदय ने हमें सिखाया कि सपने सिर्फ देखे नहीं जाते, उन्हें जिया भी जाता है – संघर्ष, अनुशासन और समर्पण के साथ। नवोदय विद्यालय से निकले लगभग तीन दशक से ज्यादा हो गए पर अभी भी वही लगाव और अपनत्व बरकरार है। नवोदय ने हम सभी को बहुत कुछ दिया है, अब 'पे बैक टू सोसाइटी' की जरुरत है। गौरतलब है कि श्री कृष्ण कुमार यादव उत्तर प्रदेश के नवोदय विद्यालयों से सिविल सर्विसेज में सफल प्रथम मेधावी व्यक्ति रहे हैं। एक प्रशासक के साथ-साथ वरिष्ठ साहित्यकार और ब्लॉगर के रूप में भी ख्याति प्राप्त पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि, अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के नवोदय विद्यार्थी आज जिन ऊँचाइयों पर हैं, उसका श्रेय नवोदय की नव उदय की उस भावना को जाता है, जहाँ जात-पात, धर्म, अमीर-गरीब, शहरी-ग्रामीण जैसे तमाम विभेद भूलकर सब सिर्फ एक सकारात्मक सोच के साथ नए पथ पर अग्रसर होते हैं। नवोदयी भावना एक ऐसा अनमोल रिश्ता है, जो हर नवोदयन के दिल में खास जगह बनाए हुए है। ये सिर्फ एक समूह नहीं, बल्कि एक ऐसा अनूठा परिवार है जिसमें अलग-अलग राज्यों या जिलों के नवोदय विद्यालय भले ही हों, लेकिन जज़्बा, अपनापन और यादों की मिठास सबमें एक जैसी है। भारत के उज्जवल भविष्य का निर्माण करने में नवोदयन्स की अहम भूमिका है। नवोदय परिवार आज भी बेहद संगठित है और लोग एक दूसरे से दिल से जुड़े हैं। सुख-दुःख में एक दूसरे के साथ जिस तरह से खड़े रहते हैं, वह मन में हैरत ही नहीं गर्व भी पैदा करता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि 'हमीं नवोदय हों' की भावना के साथ आज नवोदय एक ब्रांड बन चुका है। नवोदय ने ग्रामीण भारत के होनहार बच्चों को न केवल उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दी, बल्कि आत्मविश्वास, संस्कार और देशसेवा की भावना भी दी। नवोदय विद्यालय का विजन है, 'मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर ध्यान दिए बिना, गुणात्मक आधुनिक शिक्षा प्रदान करना, जिसमें सामाजिक मूल्यों, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, साहसिक कार्यकलाप और शारीरिक शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण घटकों का समावेश हो।' नवोदय विद्यालय का आदर्श वाक्य 'प्रज्ञानं ब्रह्म' ऋग्वेद के ऐतरेय उपनिषद से एक महावाक्य है, जिसका अर्थ है 'प्रकट ज्ञान या चेतना ही ब्रह्म है"। यह उच्च-गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए नवोदय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कांग्रेस पार्टी महिलाओं के स्वास्थ अधिकार सम्मान स्वाभिमान सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध संगीता गर्ग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय समन्वयक एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

की महासचिव श्रीमती संगीता गर्ग ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अलका लाम्बा के दिशानिर्देश पर रायबरेली संसदीय क्षेत्र में प्रियदर्शिनी उड़ान योजना को मूर्त रूप देने के लिए लगातार चार दिन का प्रवास किया इस योजना के तहत रायबरेली की प्रत्येक विधानसभा से 300 से 400 महिलाओं को गोद लेकर उन्हें हर माह निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए जाएंगे यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य स्वाभिमान और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है श्रीमती गर्ग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकार सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है जबकि वर्तमान सरकार इन मुद्दों पर केवल घोषणाएं करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं से जुड़े जमीनी मुद्दों की अनदेखी की जा रही है जबकि कांग्रेस पार्टी निरंतर धरातल पर कार्य कर रही है उन्होंने बताया कि प्रियदर्शिनी उड़ान योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को गोद लेकर महिला कांग्रेस सुरक्षित माहवारी की दिशा में हर माह निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित कर रही हैइस अभियान के तहत 11-12 अप्रैल को बछरावा विधानसभा क्षेत्र में दौरा कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गोद लिया गया तथा दूसरे एवं तीसरे माह के निःशुल्क सेनेटरी पैड एवं शैम्पू पाउच वितरित किए गए इससे पूर्व फरवरी माह में भी बछरावा विधानसभा में वितरण किया जा चुका है वहीं 13-14 अप्रैल को रायबरेली विधानसभा क्षेत्र में भी महिलाओं एवं बालिकाओं को गोद लेकर निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए श्रीमती गर्ग ने उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर रही है उन्होंने कहा कि सुरक्षित माहवारी के लिए महिलाओं को सरकार की ओर से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाने चाहिए लेकिन इस दिशा में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला कांग्रेस ने शुरुआती तौर पर रायबरेली में हर घर हर महिला तक निःशुल्क सेनेटरी पैड पहुंचाने का संकल्प लिया है जिसके माध्यम से पार्टी हर घर तक अपनी पहुंच बनाकर महिलाओं को सीधे जोड़ने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही है इस अवसर पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती शैलजा सिंह व पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने एवं इस योजना को व्यापक स्तर पर सफल बनाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के आवेदन-पत्र ऑनलाइन आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रायबरेली संतोष गौतम ने बताया है कि 30प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कार्य में लगे कुम्हार/परम्परागत कारीगरी/उद्यमियों/शिल्पियों के समन्वित विकास हेतु मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना प्रोजेक्ट कास्ट धनराशि रू0- 10.00 लाख तक की संचालित की जा रही है। पूँजीगत ऋण (टर्म लोन) की धनराशि की 25 प्रतिशत धनराशि लाभार्थियों को 30प्र0 माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा अनुदान स्वरूप प्रदान की जायेगी। माटीकला योजना के अन्तर्गत खिलौना निर्माण, घरेलू उपयोग के उत्पाद (प्रेशर कुकर, घड़ा, सुराही, जग, कुल्हहरु, गिलास, कटोरी, अचार दानी, कप प्लेट, डोंगे इत्यादि) भवन निर्माण सामग्री (फ्लोर टाईल्स, रूफ टाईल्स, लैंट्रिन पैन, पाईप, वॉश बेसिन इत्यादि) सजावटी सामान (गुलदस्ता, गार्डन पॉट, बौनसाही पॉट, लैम्प इत्यादि) निर्माण हेतु उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से आवेदकों को बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। इस योजना के अन्तर्गत व्यक्तिगत इकाईयों ही स्थापित कराई जायेंगी। इस व्यवसाय से सम्बन्धित कारीगरों एवं शिल्पियों की तात्कालिक वित्तीय आवश्यकता दूर हो सकेगी तथा उन्हें मार्जिन मनी अनुदान प्राप्त होने से उन पर पड़ने वाला वित्तीय भार कम होगा। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना हेतु आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा माटीकला/माटी शिल्पकला की किसी विधा के तहत प्रशिक्षण/प्रमाण पत्र प्राप्त हो/माटीकला की परम्परागत जानकारी हो। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना का लाभ लेने हेतु पात्र व्यक्तियों/युवकों/युवतियों के लिए मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के आवेदन-पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। ऑनलाईन आवेदन करते समय उद्यमी की फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, निवास प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड/फैमिली आई0डी0, प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि दस्तावेज ऑनलाइन आवेदन वेबसाईट पर रोज़गार ऑनलाइन आवेदन योजना वेबसाइट- https://upmatikalaboard.in/Home/Matikala पर अपलोड कराने होंगे। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय-पुरानी तहसील सदर, रायबरेली व दूरभाष नं0-7408410810 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

29 पंचायत सहायक/एकाउन्टेंट-कम-डाटा इण्ट्री आपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित-डीपीआरओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि शासनादेश में निहित प्राविधानानुसार जनपद की 29 रिक्त ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउन्टेंट-कम-डाटा इण्ट्री आपरेटर के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। वांछित अर्हता पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी अपना आवेदन 20 अप्रैल 2026 से 04 मई 2026 तक कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी/विकास खण्ड कार्यालय/ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में किसी भी विधिक जानकारी/सहायता हेतु उक्त कार्यालयों में किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

जलवायु टावर्स सेक्टर-47 आरडब्ल्यूए चुनाव संपन्न, ज्योति त्रिपाठी नई अध्यक्ष निर्वाचित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-47 स्थित जलवायु टावर्स में हुए आरडब्ल्यूए का

चुनाव में ज्योति त्रिपाठी एवं उनकी टीम को निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया में बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जलवायु टावर्स आरडब्ल्यूए के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट 2026-27 के चुनाव रिटर्निंग अफसर रिटायर्ड कमोडोर विजय भटनागर, अमृतांशु जैन तथा प्रमुख रिटर्निंग अफसर रिटायर्ड एयर वाइस मार्शल (एवीएम) जेएस पनेसर की देखरेख में हुआ। नवनिर्वाचित बोर्ड में ज्योति डी त्रिपाठी को प्रेसिडेंट चुना गया, जो सोसायटी के 20 वर्ष के इतिहास में पहली महिला अध्यक्ष बनी हैं। वाइस प्रेसिडेंट के रूप में गौरव अत्रि, जनरल सेक्रेटरी अमित भट्टाचार्य, जॉइंट सेक्रेटरी अंकुर भटनागर, ट्रेजरर ऋषि जैन और जॉइंट ट्रेजरर सौरभ श्रीवास्तव चुने गए। नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट ज्योति डी त्रिपाठी ने कहा कि सोसायटी का समग्र विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर का बेहतर रखरखाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य और सहभागिता को भी विशेष महत्व देने की बात कही। आसिम अफसर, गौतम पुरी, अनिल नेगी, राकेश राय, गौरव सिंह और डीपी सिंह सहित कई निवासियों ने विजयी टीम को बधाई दी।

नोएडा में श्रमिकों के आक्रोश के बीच शालिनी सिंह ने ग्राम हरौला में पहुंचकर जानी जमीनी हकीकत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में चल रहे श्रमिकों के हाल ही में दो दिन चली हड़ताल के दौरान, जब वे अपनी सुरक्षा है। इसके अलावा श्रमिकों ने कंपनी की कैंटीन में निम्न गुणवत्ता का

आक्रोशित प्रदर्शन के बीच सामाजिक कार्यकर्ता शालिनी सिंह ने ग्राम हरौला पहुंचकर कंपनी में कार्यरत श्रमिकों, विशेषकर महिला श्रमिकों, से उनके घरों पर जाकर मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। दस कमरों में दस परिवार और एक बाथरूम और उनकी रहने की व्यवस्था देख शालिनी सिंह ने कहा कि अभी देश को इस आर्थिक स्थिति से आज़ाद कराना है। इस दौरान महिला श्रमिकों ने बताया कि उन्हें उनके नाम पर जारी की जाने वाली सैलरी, पीएफ एवं ईएसआईसी कटौती की सही जानकारी तक नहीं दी जाती। ठेकेदारी प्रथा ने झकझोर के रखा है उन्हें। उन्होंने यह भी बताया कि के चलते घरों में थीं, तब भी उनका वेतन काट लिया गया, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें ओवरटाइम का उचित भुगतान नहीं मिलता और जरूरत पड़ने पर छुट्टी भी नहीं दी जाती।

बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित होने पर दोहरी कटौती की जाती है, जिससे उनका आर्थिक शोषण हो रहा है। महंगाई के इस दौर में जहां गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और बच्चों की स्कूल फीस भी बढ़ती जा रही है, वहीं पिछले 9-10 वर्षों में उनकी सैलरी में मात्र 1000 से 1500 रुपये तक की ही वृद्धि की गई है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया भोजन मिलने, कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करने की मजबूरी, तथा बीमार होने पर भी छुट्टी न मिलने जैसी गंभीर समस्याओं को भी साझा किया। शालिनी सिंह ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह श्रमिकों के अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है।

उन्होंने प्रशासन एवं संबंधित कंपनियों से मांग की कि श्रमिकों की समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर उचित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी श्रमिकों से शांति पूर्वक अपनी आवाज़ उठाने का आग्रह किया। इस दौरे पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह, अर्जुन प्रजापति, आकाश शर्मा और ग्रामवासी साथ रहे।

अशोक लीलैंड लिमिटेड पंतनगर द्वारा राजकीय आई टी आई गोराबाजार रायबरेली में साक्षात्कार सम्पन्न चयनित होकर खिले अभ्यर्थियों के चेहरे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली में दिनांक 17/04/2026 को

रोजगार मेले का आयोजन किया गया,जिसमे अशोक लीलैंड पंतनगर उत्तराखंड के एच0 आर0 टीम से श्री अविनाश (मैनेजर एच आर), श्री देवराज (डिविजनल मैनेजर) व श्री जनमेजय (मैनेजर प्रोडक्शन) के द्वारा साक्षात्कार लिया गया।आज के मेले में साक्षात्कार के लिए 39 ट्रेनीज उपस्थित हुए जिसमे से 21 को अंतिम रूप से चयनित किया गया। चयनितों को आई टी आई उत्तीर्ण करने के पश्चात् वेतन 15000/- रुपये प्रतिमाह के साथ कैंटीन की सुविधा, वर्दी, जूता आदि अन्य सुविधाएं मुफ्त में देय है। रोजगार मेले आशीष कुशवाहा, राकेश कुमार एवं चंद्रकांत पांडे इत्यादि ने सहयोग देकर मेले के आयोजन को पूर्ण कराया।

एसजीएस पब्लिक स्कूल गौरीगंज रायबरेली, की छात्रा सलोनी अग्रहरि ने 93फीसदी अंक प्राप्त कर सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल परीक्षा में उतार हुई और अपने स्कूल में सबसे अधिक अंक प्राप्त किया। सलोनी की इस मेहनत पर उनके माता-पिता एवं शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने अपने आप को गौरवान्वित महसूस किया। सलोनी ने इस सफलता के लिए अपने शिक्षकों एवं माता-पिता को श्रेय दिया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम/ अक्षय तृतीया/व्यक्तिगत स्वच्छता संवाद पर चर्चा का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वैच्छिक संस्था गांधी सेवा निकेतन बाल गृह बालिका पर जिला प्रोबेशन अधिकारी के

निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन अधिनियम एवं व्यक्तिगत स्वच्छता संवाद /आगामी अक्षय तृतीया का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी वीरेंद्र पाल द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित समस्त जानकारी प्रदान की गई विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं एवं पत्रकारों द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम (128वां संविधान संशोधन विधेयक, 2023) भारतीय संसद द्वारा पारित एक ऐतिहासिक कानून है, जो लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत (एक-तिहाई) सीटें आरक्षित करता है। इस कानून का उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है आदि जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रम में इस अधिनियम का सम्मान अभिवादन किया गया, अधिवक्ता द्वारा महिलाओं के साथ में घरेलू हिंसा एवं अन्य प्रकार की समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर शेफाली सिंह द्वारा विभिन्न प्रकार की बच्चों से संबंधित समस्याएं एवं विभाग में सभी संचालित महिला केंद्रित योजनाओं के बारे में भी चर्चा की गईइस प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर कृष्ण प्रताप शर्मा द्वारा स्वच्छता संवाद के माध्यम से लोगों को साफ रखने और खुले में पूरा ना फेंकने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष बाल कल्याण समिति पूनम सिंह, अधीक्षिका नीतू सिंह, श्रद्धा, आदि स्टाफ मौजूद रहा।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा 154 अभियोगों से संबंधित अवैध शराब का विनिष्टीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा एवं अपर

पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार के कुशल निर्देशन में थाना ओबरा पुलिस द्वारा न्यायालय के आदेश के अनुपालन में विनिष्टीकरण की कार्यवाही संपन्न कराई गई।

उक्त कार्यवाही के अंतर्गत थाना ओबरा पर पंजीकृत कुल 154 अभियोगों से संबंधित बरामद माल का नियमानुसार निस्तारण किया गया, जिसमें लगभग 1500 लीटर कच्ची शराब एवं 11500 लीटर अंग्रेजी शराब को मा0 न्यायालय एफटीसी सोनभद्र के आदेशानुसार विनष्ट किया गया। यह कार्यवाही पूर्ण पारदर्शिता एवं विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अभियोजन अधिकारी, उप जिलाधिकारी ओबरा एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार की उपस्थिति में संपन्न कराई गई। पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जा रहा है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का संवेदनशील श्रवण, त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को

गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनपद न्यायाधीश ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह व बालिका आश्रय गृह का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जुवेनाइल जस्टिस कमेटी के अध्यक्ष मा0 न्यायमूर्ति अजय भनोट के द्वारा किशोर अपराधियों द्वारा मादक

पदार्थों के सेवन के सम्बन्ध में जारी निर्देशों के अनुपालन में मा0 जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह की अध्यक्षता में समिति के द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह व बालिका आश्रय गृह, रायबरेली का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला क्रीड़ाधिकारी व जिला उद्यान अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिला जज द्वारा आवासित किशोर अपराधियों से मादक पदार्थों के सेवन के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए मादक पदार्थों का सेवन न करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त जिला जज द्वारा आवासित किशोर के खानपान, रहन-सहन, पढ़ाई, खेलकूद व व्यावसायिक शिक्षा के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए अधीक्षक राजकीय सम्प्रेक्षण गृह को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये। इसके अतिरिक्त बालिका गृह रायबरेली का भी निरीक्षण किया गया। आवासित बालिकाओं को भी मादक पदार्थों व नशीली दवाओं के इस्तेमाल से होने वाली शारीरिक समस्याओं के बाबत अवगत कराते हुए इनका इस्तेमाल न करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। परिसर में खेलकूद हेतु बने बैडमिंटन कोर्ट सही न पाये जाने पर प्रबन्धक गाँधी सेवा निकेतन को मुख्य विकास अधिकारी से सहयोग लेते हुए सही कराने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के उपरांत राजकीय सम्प्रेक्षण गृह रायबरेली में आवासित किशोर अपराधियों के विधिक अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता का आयोजन किया गया। उक्त जागरुकता शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा के द्वारा बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त बच्चों हेतु स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में अधीक्षक राजकीय सम्प्रेक्षण गृह रन बहादुर वर्मा, डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

खेल-खेल में बहुत कुछ सिखाया जा सकता है

एक कमरा चमकती स्क्रीनों से भरा है। लगातार कोड स्क्रॉल हो रहे हैं, जैसा मैट्रिक्स फिल्म में होता है। पूरा कमरा शीतल नीली रोशनी

में नहाया है। टीम कांच का भारी दरवाजा धकेलती है और वह सरसराहट करता हुआ खुल जाता है। ब्रीफिंग के लिए तैयार एक सीनियर एजेंट नए रिक्रूट्स को उनके 'ऑफिशियल इन्वेस्टिगेटर वेस्ट्स' देता है। एजेंट कमांड देता है, 'टीम, ध्यान से सुनो। शहर के सेंट्रल नेटवर्क में बड़ा डेटा ब्रीच हुआ है। जब हम बात कर रहे हैं तो वहां डार्क वेब पर निजी पहचानें नीलाम हो रही हैं। हमारे पास सोर्स पता लगाने, मालवेयर खत्म करने और वॉल्ट लॉक करने के लिए महज 20 मिनट हैं।' और 'ऑपरेशन डिजिटल शील्ड' शुरू होता है। जूनियर इन्वेस्टिगेटर्स अपने वर्क-स्टेशनों पर दौड़ते हैं। बाहर से ये महज बटनों को दबाने जैसा लगता है, लेकिन असल में यह टचस्क्रीन के जरिए ईमेल्स में छिपे अटैचमेंट्स जैसी विसंगतियां ढूंढते हैं। अचानक स्क्रीन पर एक 'अर्जेंट मैसेज' पॉप-अप होता है- 'आपने फ्री गोल्डन टिकट जीता है। यहां क्लिक करें।' सभी चिल्लाते हैं- 'इसे न छूना, यह एक जाल है।' उन्हें ऐसे ही प्रशिक्षित किया गया है। यह एक फिशिंग ट्रैप था। इसीलिए वे उस संदिग्ध फाइल को डिजिटल क्वारंटाइन जोन में डालते हैं।जैसे ही फिजिकल खोज शुरू होती है, अचानक अलार्म लाल हो जाते हैं।

'घुसपैठिया लोकल है।' जूनियर इन्वेस्टिगेटर्स को हरकत में आना होगा। वे हाथ में पकड़ने वाले स्कैनर्स का इस्तेमाल करके कमरे में छिपे 'फिजिकल नोड्स' ढूंढते हैं। यह स्कैवेंजर हंट जैसा है, जिसमें पैनल के पीछे छिपे 'इन्फेक्टेड सर्वर' को खोजना है। इसके मिलते ही वे 'कास्परस्की सिक्योरिटी-की' के जरिए क्लीन-अप प्रक्रिया शुरू करते हैं।

अब मेन कंसोल पर लौटते हैं, जहां एक बड़ा प्रोग्रेस बार 'मालवेयर अटैक' आइकन से संघर्षरत है। जूनियर्स साथ मिलकर एक तेज मल्टी-प्लेयर जैसा काम कर रहे हैं। एक जूनियर आने वाले वायरस पैकेट्स को टैप करके 'ब्लॉक' करता है। दूसरा लॉजिक पजल्स हल करके एन्क्रिप्टेड पासवर्ड फिर-से बनाता है। टीम लीडर समन्वय करता है- 'फायरवॉल पर ध्यान दो। एन्क्रिप्शन लेयर में हमें और पावर चाहिए।' आखिरी क्लिक के साथ स्क्रीन हरी हो जाती है।

उनका सिस्टम अब सुरक्षित है। इन्वेस्टिगेटर्स हाथ उठाते हैं, यानी 'मिशन पूरा' हुआ। चोरी हुआ डेटा वापस मिल गया और दूरदराज में बैठा 'हैकर' भी ट्रैक हो गया। इन्वेस्टिगेटर्स खुशी से चिल्लाते हैं। इसलिए नहीं कि उनकी सर्विस के लिए उन्हें 'किडजो' (किडजानिया करेंसी) मिले हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे बच्चे हैं और एक सिमुलेशन गेम खेल रहे हैं। वे किसी असल साइट पर नहीं, मुंबई के एक मॉल में हैं। जाते समय सीनियर एजेंट उन्हें असल दुनिया के लिए आखिरी टिप देता है- 'याद रखना इन्वेस्टिगेटर्स, मजबूत पासवर्ड आपका सबसे बड़ा बचाव है। और जिस लिंक को आपने नहीं मांगा, उस पर कभी भरोसा मत करो।' 20 मिनट के इस मिशन के अंत तक ये 'जूनियर साइबर हीरोज' समझ जाते हैं कि हैकर्स भले तेज हों, लेकिन सही टूल्स के साथ एक बेहतर प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर उनसे भी तेज होता है। यह मुम्बई में पिछले माह खुले एक मॉल में स्थित 'किडजानिया' का हिस्सा है, जहां बच्चे वयस्कों की तरह डिजिटल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभाते हैं। इस गेम में बच्चे तीन सबक सीखते हैं।

1. फिशिंग स्कैम्स : फर्जी फ्री-ट्रिप ऑफर या गेमिंग करेंसी गिवअवे जैसे ट्रैप्स पहचानना। निजी जानकारियां चुराने वाले संदिग्ध लिंक व ईमेल पहचानना। 2. आइडेंटिटी थेफ्ट : गेम सिखाता है कि डिजिटल पहचान (जैसे घर का पता या फोटो) कितनी आसानी से चोरी हो सकती है और घुसपैठिया कैसे निजी डेटा तक पहुंच सकता है। 3. साइबरबुलीइंग : हानिकारक ऑनलाइन व्यवहार को पहचानना और सीखना कि प्राइवेट चैट या सोशल मीडिया पर उत्पीड़न से कैसे निपटा जाए।

फंडा यह है कि जब हम बच्चों को खेल-खेल में जीवन के महत्वपूर्ण सबक देते हैं तो उनके लिए असली दुनिया को समझना अधिक आसान हो जाता है। (एन. रघुरामन)

इस मौके का उपयोग मजबूत बनने में करें

दुनिया कई युद्धों में उलझी हुई है, गठबंधनों के स्वरूप बदल और

बिखर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में जोर-जबर्दस्ती बढ़ रही है। इन वजहों का तकाजा है कि हम अपने भीतर झांक कर देखें। क्योंकि महाशक्तियों और आक्रामक पड़ोसियों की हरकतों के चलते हमें एक ऐसा मौका उपलब्ध हुआ है, जिसका हमें इंतजार रहा होगा। यह कुछ बड़ी कमजोरियों को दूर करने, दुश्मन में खौफ पैदा करने की ताकत बनाने और अगले संकट के लिए खुद को तैयार करने का समय उपलब्ध करा रहा है। इसका बेशक यह मतलब भी है कि भारत खुद को अनुशासित रखे कि पाकिस्तान जब अपने लिए मौका देख रहा है तब हम हड़बड़ी में कोई प्रतिक्रिया न कर बैठें। हम तो यह विचार करें कि हमारे लिए सबसे जरूरी क्या है। पहले यह समझें कि जब हम यह कह रहे हैं कि दुनिया उलझी हुई है, तो इसका क्या मतलब है। पाकिस्तान पीस-ब्रोकर की भूमिका निभाकर खुश है। इसकी कोई गारंटी नहीं दी जा सकती मगर यह संभावना नहीं दिखती कि वह हमारे खिलाफ जल्द ही कोई दुस्साहस करेगा। उसके पिछले रिकॉर्ड को देखें तो यही कहा जा सकता है कि वह इस नए मौके को मुकम्मल बनाने और इसका पूरा आर्थिक और सैन्य लाभ उठाने की कोशिश करेगा। ट्रम्प ने ईरान में जो दुस्साहस शुरू किया था, उसे अपनी जीत के कुछ विश्वसनीय दावे के साथ खत्म करने का उन्हें कोई रास्ता खोजना है। इजराइल भी युद्ध के बाद की अपनी रणनीतिक चालों पर पुनर्विचार कर रहा है। अरब की खाड़ी के देश अब विचार करने लग गए हैं कि कौन दुश्मन है और कौन दोस्त है। हमारा नया दोस्त यूरोप और सबसे पुराना साझेदार रूस भी अपने निकट के पड़ोस को नई नजर से देख रहा है। यह हमारे दोस्तों को हमें लेकर उलझन में पड़ने से रोक रहा है। दूसरी आक्रामक ताकत चीन खामोशी से देख रहा है कि ज्यादा बड़ी ताकत ने किस तरह खुद को फंसा लिया है और वह 'उबरने' के लिए चीन से किस तरह संरक्षण की आस लगाए है। अब चीन नेपोलियन के सिद्धांत पर अमल करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को गलती करने से रोकने की कोशिश तो नहीं ही करेगा, बल्कि युद्ध से त्रस्त पश्चिम एशिया, खासकर ईरान के हालात का फायदा उठाने के लिए खुद को तैयार करेगा। अमन कायम होता है तो उसके बाद पुनर्निर्माण के लिए हजारों अरब डॉलर के वारे-न्यारे होंगे। उस क्षेत्र में ठेकेदारों की फौज उतर आएगी और निर्माण की क्रेनों की विश्वव्यापी कमी पड़ जाएगी। चीन इनमें से सारे तो नहीं मगर अधिकतर पर अपना कब्जा चाहेगा। जाहिर है, वह बड़ी उम्मीदें लगाए बैठा है। इसलिए भारत के साथ कोई नई गड़बड़ी अब उसकी प्राथमिकता में नहीं होगी। करीबी दोस्त, संभावित दोस्त और प्रतिद्वंद्वी जब इस तरह अपने में ही उलझे हुए हैं, तब भारत फिर से ऐसे दौर से गुजर रहा है जब वह शांति के साथ अपनी ताकत में इजाफा कर सकता है। आजादी के बाद से प्रायः हर पांच साल पर हम सुरक्षा को लेकर बड़े खतरे या युद्ध जैसी स्थिति का सामना करते रहे हैं। शुरुआत जम्मू-कश्मीर को लेकर दो लड़ाइयों से हुई; इसके बाद गोवा का मामला आया जहां पुर्तगाल 'नाटो' के अनुच्छेद 5 की आड़ में जमा हुआ था, उसे 1961 में मुक्त कराया गया; 1962, 1965, 1971 में चीन और पाकिस्तान से जंगें लड़नी पड़ीं, 1967 में नाथुला में भी अच्छी-खासी झड़प का सामना करना पड़ा। 1971 में पाकिस्तान की शिकस्त और उसके विभाजन से थोड़ी राहत तो मिली लेकिन 1986 के बाद से रणनीतिक खतरे लगातार उभरते रहे। चीन के साथ वांगडुंग/सुमदोरोंग चू में टक्कर और 1986-87 में 'ऑपरेशन ब्रासटैक्स', कश्मीर को लेकर 1990 में भी पाकिस्तान की ओर से युद्ध की धमकी और पहली बार परमाणु युद्ध की चेतावनी। इसके बाद आप गिनती जारी रख सकते हैं : करगिल युद्ध (1999), संसद पर हमला और ऑपरेशन पराक्रम (2001), 26/11 के हमले (2008) और इसके बाद उड़ी (2016), पुलवामा (2019), पहलगाम (2025)। इन सबके बीच चीन भी तनाव में इजाफा करता रहा, दो बार यूपीए के दौर में 2009 में दलाई लामा के अरुणाचल दौरे को लेकर और 2013-14 में देप्सांग और चूमर में झड़पों के कारण। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध पैदा हुआ जिसे शांत तो कर दिया गया है मगर सुलझाया नहीं गया है। मामूली गणित बता देगा कि हर पांच साल पर संकट का सामना करना पड़ा। ऊपर जिन भटकावों का जिक्र किया गया है उन्होंने पांच-पांच साल के अमन वाले दौरों की शुरुआत भी की। मैं पांच साल वाले अंतराल पर ही इसलिए जोर दे रहा हूं क्योंकि आसिम मुनीर के कार्यकाल को विस्तार दिए जाने का सिलसिला 2030 में खत्म होगा। तब वे सिर्फ 62 साल के होंगे, जिस उम्र में भारत के सेनाध्यक्ष अपने नियमित कार्यकाल के बाद प्रायः रिटायर हो जाते हैं। लेकिन 2030 तक मुनीर पांच नहीं तो चार सेनाध्यक्षों के कार्यकाल के बराबर तो सेवा दे ही चुके होंगे। उनके मुल्क की जो हालत है और उसकी अर्थव्यवस्था की जो दशा है, उसके मद्देनजर हम कल्पना कर सकते हैं कि तब तक वे बुरी तरह अलोकप्रिय हो चुके होंगे। अगर कोई पाकिस्तानी तानाशाह अपने यहां असंतोष से निबटने के लिए भारत के साथ युद्ध के हालात पैदा करने के सिवा दूसरा कोई तरीका जानता है, तो वह अभी तक सामने नहीं आया है। चीन देख रहा है कि ट्रम्प अमेरिका को कमजोर कर रहे हैं और अपने गठबंधनों को तोड़ रहे हैं, ऐसे में उसे भी समय की जरूरत होगी। इसलिए हमने अपना आशावाद पांच साल तक ही सीमित रखा है। सेना का आधुनिकीकरण, ऊर्जा के मामले में निर्भरता, स्पेस इंटेलिजेंस व्यवस्था में खामी, खाद और अहम खनिज- इन चुनौतियों को पांच साल में दुरुस्त करना मुमकिन नहीं है, लेकिन आप खाइयों को पाट कर अगले संकट का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकते हैं।

सेना के मामले में कुछ परिवर्तन तो आया है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद भी बातें ज्यादा हुई हैं, काम कम हुआ है। परिवर्तन की गति बढ़नी चाहिए। ऊर्जा का मामला ज्यादा जटिल चुनौती है। नई खोज से नतीजे हासिल होने में समय लगेगा। 1991 में हमने आर्थिक सुधारों को लागू किया और एक उभरती शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई। ऐसे में आर्थिक वृद्धि ही हमारा सबसे कारगर रणनीतिक प्रतिरोध है। अभी हमारे दोस्त और प्रतिद्वंद्वी दोनों ही उलझे हुए हैं... भारत के साथ कोई नई गड़बड़ी चीन और पाकिस्तान की प्राथमिकता में अभी नहीं होगी। इस तरह हम अपने प्रतिद्वंद्वियों की ओर से फिलहाल तो निश्चिंत हो सकते हैं। जब दोस्त और प्रतिद्वंद्वी सभी उलझे हुए हों, तब भारत चुपचाप अपनी ताकत में इजाफा कर सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं शेखर गुप्ता)

किसी को खरोंच मार के नहीं, अपने दम पर ही सफलता पाइए

कई साल मेरे पास लाइसेंस था, पर ड्राइव नहीं करती थी। डर लगता था। इस देश की सड़कों पर गाड़ी चलाना मतलब आप एक वीडियो गेम के किरदार

से कम नहीं। कभी भी, कहीं से भी खतरा आ सकता है। कोई लेफ्ट से राइट टर्न लेना चाहता है, तो कोई गलत दिशा में चला रहा है। जिसको जान प्यारी है, उसे डर तो लगेगा ही! खैर, बेटी ने मुझे बढ़ावा दिया। तो फिर मैंने हिम्मत की और चलाना शुरू किया। 2014 में जो गाड़ी खरीदी थी, उसने अब लगभग 50,000 किमी तय लिए हैं। और हां, किसी ड्राइवर नहीं, मेरे ही हाथ से चली है। यह कमाल कैसे हुआ? पहली बात- मन को वश में किया। गाड़ी निकालने के पहले भगवान का नाम जरूर लेती हूं कि हे परमात्मा मेरी रक्षा करना। छोटी-मोटी टक्कर हुई है, तीन बार। एक मेरी गलती से, बाकी दूसरे से। मगर मैंने कभी झगड़ा नहीं किया। थोड़ा पैसा लगेगा, ठीक है। नहीं तो इंश्योरेंस से क्लेम कर लेंगे। मैं भी ठीक, आप भी ठीक, चलो शुक्र है। इस तरह पीस ऑफ माइंड बना रहा। हां, मैं गाड़ी अच्छी भी चलाती हूं, और ध्यान से भी। कोई ओवरटेक करना चाहता है तो मैं सोचती हूं- करने दो। इसमें ईगो नहीं लाती। वैसे कई बार वही गाड़ी अगले सिग्नल पर खड़ी हुई मिलती है। और मैं आराम से अपना गाना सुनते-सुनते उसी मुकाम पर पहुंच गई जिसके लिए वो उतावले हो रहे थे। वैसे सड़क पर मुझे दूसरी गाड़ियों से नहीं, टू व्हीलर से खतरा लगता है। खासकर बाइक चलाने वालों से। वो धुरंधर बन कर पाकिस्तान एंटर नहीं कर पाए। इसलिए अब, दो गाड़ियों के बीच पांच सेंटीमीटर की खाली जगह में घुसने का शौक रखते हैं। चाहे मेरी गाड़ी में खरोंच लगे, उन्हें क्या परवाह। बाइक वाले भी दो वैरायटी के होते हैं। एक होते हैं- 'यंग गन्स'। रो-धो कर मम्मी-पापा से बाइक मिली तोहफे में, या ईएमआई शुरू की अपनी पहली कमाई से। सोचा था सड़क पर धूम मचाएंगे, लेकिन फंस गए ट्रैफिक में। लड़कियों को घुमाने का चांस तो मिला, पर उन्हें बिठा दिया बिना हेलमेट के। दूसरी कैटेगरी में हैं- 'परेशान प्राणी'। उसकी उम्र हो गई है चालीस से ऊपर पर जीवन की दौड़ में कहीं वो थोड़ा पीछे रह गया है। वो बाइक यूज करता है भागम-भाग के लिए। घर से पांच मिनट लेट निकला था, शायद इधर-उधर बाइक घुसा कर टाइम से पहुंच जाऊं। फिर देखता है, ड्राइवर वाली गाड़ी में बैठा हुआ इंसान। जो आराम से ऑफिस पहुंचने के पहले अखबार पढ़ रहा है, या लैपटॉप पर काम कर रहा है। गुस्सा तो आता है। अगर इसकी महंगी गाड़ी पर दो-चार खरोंच लग जाएं, तो अच्छा होगा। क्या कर लेगा, मैं तो फरार। वैसे सच है कि टू व्हीलर और फोर व्हीलर में टक्कर हो जाए तो चौपहिया वाले की ही गलती मानी जाती है। चाहे बाइक वाला कितनी भी बेवकूफी से चला रहा हो। क्योंकि सड़क पर बेचारा गिरा पड़ा है, देखो-चोट तो नहीं लगी! सहानुभूति मिलती है कमजोर इंसान को। खैर, सड़क से हमारा कैरेक्टर पता चलता है। जर्मनी में हाईवे पर स्पीड लिमिट नहीं पर हर कोई नियम का पालन करता है।

हमारे देश में इधर-उधर कोने काट कर ही काम होता है, इसलिए सड़क पर भी वही हाल है। वैसे बढ़िया बात यह कि बड़े शहरों में अब मेट्रो की सुविधा आ गई है। सबसे विकसित देश वो, जहां छोटा-बड़ा हर इंसान पब्लिक ट्रांसपोर्ट में जाना पसंद करता है।

क्योंकि उसमें रफ्तार है, और आराम भी। अपनी कार या बाइक आप रखेंगे, थोड़ा घूमने-फिरने के लिए। भाग-दौड़ के लिए नहीं। अंत में कहूंगी, जीवन के रास्ते में टू-व्हीलर सोच मत अपनाइए। किसी और को खरोंच मार के नहीं, अपने दम पर सफलता पाइए। (ये लेखिका के अपने विचार हैं रश्मि बंसल)

मस्क का मंत्र,असंभव लक्ष्य देकर टीम की सोच बदल दें

विश्वप्रसिद्ध आयरिश नाटककार व लेखक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने लिखा था- 'तार्किक व्यक्ति खुद को दुनिया के अनुसार ढालता है, जबकि अतार्किक व्यक्ति दुनिया बदलने की कोशिश करता है; प्रगति ऐसे ही लोगों से होती है।' इलॉन मस्क इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं।

मंगल पर बसाहट या दिमाग में चिप लगाना भले पागलपन लगे, पर मस्क के लिए यही भविष्य गढ़ने का असली एल्गोरिदम है। टेस्ला के पूर्व प्रेसिडेंट जॉन मैक्नील ने किताब 'द एल्गोरिदम' में मस्क की कार्यशैली व टेस्ला के विकास के अनकहे पहलू सहेजे हैं।

ये बिजनेस के साथ जिंदगी के प्रति भी नया नजरिया देंगे। लीडर्स से आम लोग तक इनसे सबक ले सकते हैं।

दुनिया को अपने अनुसार ढालना- एक 'तार्किक' व्यक्ति वह है जो ऑफिस के नियमों व समाज की सीमाओं को मानकर चलता है।

पर मस्क जैसे 'अतार्किक' लोग कहते हैं- कारें जमीन पर चलती हैं, तो मंगल पर क्यों नहीं?

हमारे नेता आज भी अटल जी से बहुत कुछ सीख सकते हैं

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशती-वर्ष पर आयोजित समारोहों का सिलसिला गत दिसम्बर तक चलता रहा था।

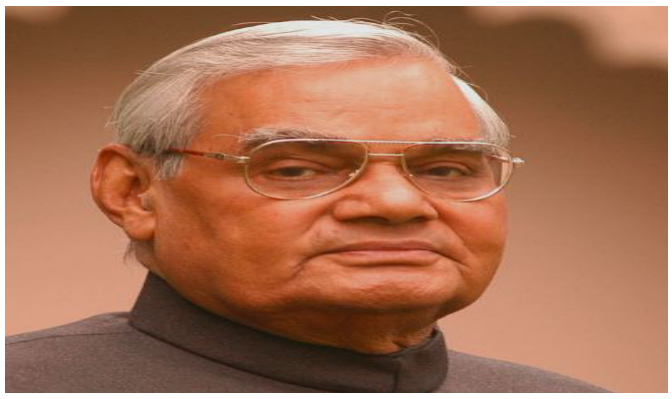

इसी कड़ी में पूर्व मंत्री विजय गोयल ने वाजपेयी पर एक चित्रात्मक-जीवनी प्रकाशित करवाई है, जो उनके जीवन की समृद्ध-झांकी पेश करती है। लेकिन जब तक हम उनकी विरासत के कुछ अहम सबकों को फिर से नहीं सीखते, हम देश के इस सच्चे सपूत का सही मायनों में अभिवादन नहीं कर पाएंगे। पहला सबक यह है कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोधी हो सकते हैं, लेकिन शत्रु नहीं। वाजपेयी संघ के निष्ठावान सदस्य और भाजपा के समर्पित सिपाही थे। लेकिन वे असहमत होने वाले लोगों के साथ भी सभ्य संवाद को तत्पर रहते थे। इसी के चलते राजनीतिक विचारधाराओं के परे भी उन्होंने सच्चे दोस्त बनाए। सच में तो हमें उस राजनीतिक दौर को ही पुनर्जीवित करने की जरूरत है, जिसमें जवाहर लाल नेहरू उस वक्त के युवा सांसद वाजपेयी में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता बता कर उनकी सराहना किया करते थे। नेहरू ने यह बात तब कही थी, जब वाजपेयी ने 1962 के युद्ध के दौरान अपने भाषण में नेहरू की तीखी आलोचना की थी। इसी तरह, अटल जी ने कांग्रेस से गहरे मतभेदों के बावजूद 1971 के पाकिस्तान युद्ध में जीत के बाद इंदिरा गांधी की खुले दिल से प्रशंसा की थी। उनके जैसे महान नेताओं के लिए राजनीतिक विरोधियों का व्यक्तिगत अपमान असभ्यता की श्रेणी में आता था। उन्होंने एक बार कहा था कि 'मैं 1952 से चुनाव लड़ रहा हूं, लेकिन भी कुछ लक्ष्मण-रेखाएं होती हैं, जिन्हें बड़े नेता महज सत्ता में बने रहने या चुनाव जीतने के लिए नहीं लांघते। इसका सबसे अच्छा उदाहरण तब देखने को मिला, जब 1996 में वाजपेयी सरकार एक वोट से विश्वास-मत हार गई। उस मौके पर दिया वाजपेयी का भाषण नेताओं के लिए नित्य-पठनीय होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सत्ता में बने रहने की शर्त यदि पार्टी तोड़कर नया गठबंधन बनाना है तो वे ऐसी सत्ता को चिमटे से भी नहीं छुएंगे। इसकी तुलना आज से दौर से करिए, जहां धनबल और प्रलोभनों से विधायकों को तोड़कर सरकारें बनाई जाती हैं। खरीद-फरोख्त से बचाने के लिए जनप्रतिनिधियों को पांच सितारा होटलों की बाड़ेबंदी में रखा जाता है। तीसरा सबक है कि एक सच्चा स्टेट्समैन बनने के लिए आपको सफल राजनेता और अच्छा इंसान, दोनों बनना पड़ेगा। वाजपेयी के जीवन के कुछ पहलू काफी चर्चित हैं। गहराई और हास्यबोध से भरपूर उनकी वाकपटुता और इसके साथ ही उनका राजनीतिक संकल्प, जो उन्होंने पोकरण में दिखाया। लेकिन एक इंसान के तौर पर अपनी प्रवृत्ति, स्वभाव और आस्था से वे सच्चे लोकतांत्रिक थे। इसीलिए उनकी कैबिनेट एक 'कॉलेजियम' की तरह काम करती थी, जहां निडर होकर राय रखी जा सकती थी। आज की तरह नहीं, जहां अधिकतर दलों में कोई भी सुप्रीमो के खिलाफ आवाज उठाने की जुर्रत नहीं करता। मैंने कभी किसी पर कीचड़ नहीं उछाला। 'दूसरा सबक है राजनीति में नैतिकता का महत्व। कोई दल पूरी तरह से बेदाग नहीं, लेकिन फिर वाजपेयी का राष्ट्रवाद किसी को वंचित करने वाला नहीं था। उन्होंने सत्ता को अहंकार में नहीं बदलने दिया। सभी का सम्मान किया और सवालों के लिए खुले रहे। एक बार तो उन्होंने एक पत्रकार को भी कड़े सवाल न पूछने पर टोक दिया था। उनसे जुड़ा एक किस्सा मेरे पास भी है। अटल जी ने मुझसे अपनी कविताओं का अंग्रेजी में अनुवाद करने को कहा था। जब हम प्रधानमंत्री आवास पर मिले तो मैंने कहा कि मेरी तीन शर्तें हैं। पहली, मैं उनकी राजनीतिक कविताओं का अनुवाद नहीं करूंगा। दूसरी, उनकी कविताओं में से भी मैं खुद ही चयन करूंगा। और तीसरी, मेरे कुछ अनुवाद देखने के बाद ही वे कोई अंतिम निर्णय लें। चिर-परिचित मुस्कान के साथ उन्होंने कहा, 'मंजूर है।' एक अदना-सा सरकारी संयुक्त सचिव प्रधानमंत्री के सामने शर्तें रख सके, यह बात बहुत कुछ कहती है।

प्रकाशित पुस्तक की मेरी प्रति में उन्होंने लिखा कि 'पवन ने मेरी कविताओं का अनुवाद किया और उन्हें अधिक अर्थपूर्ण बना दिया।' वाजपेयी जी जैसी महान हस्ती को हमें महज सालाना समारोहों के जरिए नहीं, बल्कि उन आदर्शों को अपना कर जीवित रखना चाहिए, जिनके लिए वे हमेशा डटे रहे। वाजपेयी संघ के निष्ठावान सदस्य और भाजपा के समर्पित सिपाही थे। लेकिन वे असहमत होने वाले लोगों के साथ भी सभ्य संवाद को तत्पर रहते थे। इसी के चलते राजनीतिक विचारधाराओं के परे भी उन्होंने सच्चे दोस्त बनाए। (ये लेखक के अपने विचार हैं पवन के. वर्मा)

सबरीमाला मंदिर के मामले में एक तीसरा पक्ष भी मौजूद है

नौ न्यायाधीशों की एक संविधान पीठ सबरीमाला मामले में सुनवाई कर रही है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष आयु की महिलाओं के प्रवेश पर रोक असंवैधानिक है और यह समानता तथा धर्मपालन की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। अब संविधान पीठ के समक्ष उद्देश्य यह है कि अन्य धर्मों में मौजूद भेदभावपूर्ण प्रथाओं की भी समीक्षा की जाए और इन मुद्दों पर संवैधानिक सिद्धांत स्थापित किए जाएं। अभी तक तो धार्मिक संगठनों- हिंदू और मुस्लिम दोनों ने ही यह रुख अपनाया है कि न्यायालयों के पास मूल धार्मिक प्रथाओं को निर्धारित करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि ये आस्था से जुड़े विषय हैं। लेकिन सबरीमाला मामले में प्रश्न यह उठता है कि किसकी धार्मिक प्रथाएं? माला अरयन आदिवासी समुदाय केरल में सबरीमाला मंदिर का पारम्परिक संरक्षक हुआ करता था। 19वीं सदी के प्रारम्भ में मंदिर का नियंत्रण अपने हाथ में लेने से पहले ब्राह्मण उन अनुष्ठानों का पालन नहीं करते थे, जिन्हें वे आज संरक्षित करना चाहते हैं। माला अरयन आदिवासी मासिक धर्म वाली आयु की महिलाओं के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाते थे। वे उस शुद्धिकरण अनुष्ठान में भी विश्वास नहीं रखते थे, जिसे वर्तमान में मंदिर के तंत्रियों द्वारा किया जाता है। सबरीमाला मामला अब एक ऐसे परिदृश्य के रूप में उभरता है, जहां

एक समूह दूसरे के क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है, जबकि यह दूसरा समूह इस मंदिर का पारम्परिक संरक्षक रहा है। दोनों समूहों के अनुष्ठान भी अलग-अलग हैं : एक लैंगिक रूप से तटस्थ है, जबकि दूसरा महिलाओं- विशेषकर मासिक धर्म वाली आयु की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश को मान्य नहीं करता है।माला अरयन आदिवासी समुदाय का दावा है कि सबरीमाला मंदिर के देवता अय्यप्पन उनके पूर्वजों के आराध्य हैं। उनका कहना है कि लगभग 1800 ई. के आसपास उन्हें उनकी भूमि से बेदखल कर दिया गया। इसके बावजूद, उनके सदस्य मंदिर में लौटकर अपने अनुष्ठानों का पालन करते रहे हैं और आज भी सबरीमाला को अपने पूर्वजों का देवता मानते हैं। 2013 से वे केरल उच्च न्यायालय और राज्य सरकार के समक्ष कई बार याचिकाएं दायर कर चुके हैं, ताकि मंदिर के एक वार्षिक अनुष्ठान के तहत मकरविलक्कु प्रज्वलित करने के अपने अधिकारों को पुनः प्राप्त कर सकें। लेकिन न तो सरकार और न ही न्यायालयों ने अब तक कोई स्पष्ट निर्णय दिया है। ऐतिहासिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि माला अरयन समुदाय के दावे उचित हैं। 19वीं सदी के मध्य में दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले सैम्युअल मतीर ने अपनी पुस्तक नेटिव लाइफ इन त्रावणकोर (1883) में इस समुदाय और सबरीमाला मंदिर के बीच संबंध का उल्लेख किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि 19वीं सदी में भी मंदिर लंबे समय तक लैंगिक रूप से तटस्थ रहा था और 1950 के दशक तक भी इसमें महिलाओं को प्रवेश की अनुमति थी। मंदिर के अनुष्ठानों में पुरुषवादी प्रवृत्तियां 20वीं सदी के मध्य के आसपास बढ़ने लगीं और 1965 में 10 से 50 वर्ष आयु की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। 2018 में सर्वोच्च अदालत के निर्णय के बावजूद, 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की बहुत कम महिलाओं ने सबरीमाला मंदिर में प्रवेश का प्रयास किया है। यानी अदालत का निर्णय भी व्यावहारिक स्तर पर वस्तुस्थिति बदलने में सक्षम नहीं हो पाया है। केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार ने सबरीमाला मामले पर अपने रुख में यू-टर्न ले लिया है। उसे इस निर्णय पर पछतावा हो सकता है, क्योंकि इससे महिलाओं, उदारवादी पुरुषों और आदिवासी मतदाताओं- तीनों के अलग-थलग पड़ने का जोखिम है। माला अरयन आदिवासी समुदाय का दावा है कि सबरीमाला मंदिर के देवता अय्यप्पन उनके पूर्वजों के आराध्य हैं। उनका कहना है कि लगभग 1800 ईस्वी के आसपास उन्हें उनकी भूमि से बेदखल कर दिया गया था। (ये लेखिका के अपने विचार हैं नीरज कौशल)

शिव भक्तों ने निकाली भव्य कलश यात्रा, डीजे की धुन पर झूमे श्रद्धालु

शिव भक्तों ने निकाली भव्य कलश यात्रा,कलश यात्रा में लगे भोलेनाथ के जयकारे,भगवा ध्वज लिए कलश यात्रा में शामिल हुए शिव भक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र नगर के मां शीतला धाम के पास स्थित दूधेश्वर

महादेव मंदिर के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सुबह 10 बजे से रुद्राभिषेक आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर प्रांगण में भारी संख्या में उपस्थित शिव भक्तों ने रुद्राभिषेक किया। इसके पश्चात मंदिर समिति द्वारा शाम 4:00 बजे से नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा दूधेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई और संपूर्ण नगर में भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पर जाकर सम्पन हुई। इस कलश यात्रा में शिव पार्वती के वेश में सजे कलाकार आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे।

शोभा यात्रा के दौरान माताये एवं बहने सिर पर कलश धारण किए भगवान शिव के भक्तिमय गीत गाते हुए चल रही थी तो दूसरी ओर डीजे के भक्तिमय धुन पर युवा और युवतियों के पैर थिरक रहे थे। इस कलश शोभायात्रा में नगर के सभी वर्ग के लोग भगवान भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए हाथों में भगवा ध्वज लिए गगनभेदी उद्घोष कर रहे थे। इस अवसर पर कृष्ण मुरारी गुप्ता, दीपक कुमार केसरवानी, रामजी मोदनवाल, मंगल केसरी, राजेश जायसवाल, किशोरी केसरी, पवन केसरी, गोविंद केसरी, सचिन गुप्ता, प्रतिभा, संगीता गुप्ता, केसरी, उमा केशरी, किरण केशरी, सीमा केसरी, लक्ष्मी केसरी, बीना केसरी, सपना केसरी, शालिनी केसरी, श्वेता केसरी, ऊषा देवी, अनीता देवी, निधि केसरी, आंचल केसरी, अंजना केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज के वाहिनी सभागार में मंगलवार को

भारतीय संविधान के जनक, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर वाहिनी के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने श्रद्धा-सुमन अर्पित कर बाबा साहेब को नमन किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब का राष्ट्र निर्माण में योगदान अतुलनीय है। उन्होंने शिक्षित बनने, संगठित रहने और संघर्ष करने का जो मंत्र दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा दिखाए गए समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर दलनायक श्री मिथिलेश कुमार राय, सहायक शिविरपाल श्री हरदास सहित वाहिनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बाबा साहेब के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया।

महिला विंग से चेयरमैन चांदनी, पुरुष विंग से अधीक्षण अभियंता चन्द्रमा ने किया राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रमोशन

अम्बेडकर महोत्सव का साक्षी बना ओबरा का डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने जगाई जागरूकता और अधिकारों की अलख

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा/सोनभद्र। तहसील ओबरा परिक्षेत्र में संविधान रचयिता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती की धूम के बीच विधिक

साक्षरता एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की जागरूकता की ललक और झलक दिखी। मंगलवार 14 अप्रैल 2026 को ओबरा के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में संविधान रचयिता भारत रत्न, मानवता के मर्मज्ञ, कानूनविद डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती महोत्सव में जहां महिला विंग की ओर से नगर पंचायत ओबरा अध्यक्ष श्रीमती चांदनी और पीएलवी निगार फ़रज़ाना ने जहां दिवस। की प्रासंगिकता को सार्थक कर राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रमोशन की कमान संभाल रखी थी वहीं पुरुष विंग की ओर से ताप विद्युत गृह ओबरा के अधीक्षण अभियंता इं. चंद्रमा प्रसाद, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा के प्राचार्य प्रो. प्रमोद कुमार एससी/एसटी शिक्षक महासभा के जिला अध्यक्ष रवीश कुमार, प्रो. सुभाष राम व अन्य गणमान्य समेत जिज्ञासुओं के साथ पीएलवी कमाल अहमद ने कमान संभाल रखी थी। इस दौरान ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र की ओर से तैनात स्थानीय पीएलवी/अधिकार मित्रों ने समानता और स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शिक्षा संबंधी अधिकार, संवैधानिक उपचारों का अधिकार आदि मौलिक अधिकारों, जन अधिकार, महिला अधिकार के प्रति जहां लोगों को जागरूक किया वहीं संविधान रचयिता भारत रत्न मानवता के मर्मज्ञ डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके संघर्षों और सबके लिए न्याय, अधिकार आदि विषय पर लोगों को जागरूक किया। ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र द्वारा ओबरा के अलावा दुद्धी, घोरावल, राबर्ट्सगंज तहसीलों में सेवारत परा विधिक स्वयं सेवकों ने अम्बेडकर जयंती पर जन अधिकार और मौलिक अधिकारों सहित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस दौरान नगर पंचायत ओबरा अध्यक्ष श्रीमती चांदनी, मुख्य महाप्रबंधक ओबरा ताप विद्युत गृह इं. आरके अग्रवाल, महाप्रबंधक ओबरा सी एसके सिंघल, वरिष्ठ समाजसेवी राधा देवी, अधीक्षण अभियंता इं. चंद्रमा प्रसाद, प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, डॉ. प्रमोद कुमार, प्राध्यापक रवीश कुमार ज़िला अध्यक्ष एस.सी/एस.टी. व्यापार मंडल के विशाल गुप्ता, निधि गौतम, सुनीता गौतम, पूनम मिश्रा, पूनम भारती, विकास चंचल, अमरनाथ उजाला, आनंद पटेल दयालु, रमेश यादव समेत परा विधिक स्वयं सेवक कमाल अहमद, निगार फ़रज़ाना सहित भारी संख्या में अनुयाई /समारोहक उपस्थित रहे।

उमरिया में धूम धाम से मनाई गई सेन जी महाराज की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उमरिया। सेन समाज विकास संगठन मध्यप्रदेश द्वारा उमरिया में मंगलवार को आयोजित सेन जयंती पर विशाल शोभायात्रा

उमरिया शहर में हजारों लोगों के साथ ढोल एवं गाजे बाजे के साथ निकाली गई जो कि शासकीय सामुदायिक भवन से चलकर नगर भ्रमण करते हुए उमरिया रेलवे स्टेशन परिसर पर संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की स्थापित प्रतिमा पर अशोक सेन प्रदेश अध्यक्ष सेन समाज विकास संगठन मध्य प्रदेश एवं पूरे जन शैलाब के साथ माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात लगभग 3-4 घंटे को शोभा यात्रा पूर्ण की गई।इसके बाद संस्कृतिक कार्यक्रम, देह दानियों द्वारा देहदान संकल्प, देहदान सम्मान, मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों एवं तथा प्रदेश एवं पूरे देश की भिन्न भिन्न राज्यों से आए सामाजिक बंधुओं एवं संतों का सम्मान किया गया।इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार सेन, सीमा, सेन, किरन सेन, अंजली सेन (पत्रकार), आरती सेन, संतोष कुमार, एंड. प्रमोद कुमार, आदि संगठन के उपस्थित रहे।

पंजाबी समाज वेलफेयर सोसाइटी एवं आर0 डबल्यू0 ए0 सेक्टर 46 ने बैसाखी पर्व का भव्य आयोजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को सेक्टर 46 के कम्यूनिटी सेन्टर में एक भव्य और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने इस सांस्कृतिक उत्सव

में बड़े पैमाने पर भाग लिया, जिससे एकता और हर्षोल्लास का माहौल बना। इस अवसर पर कार्यक्रम में गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश हुआ, जिनकी हजूरी में सुखमणी साहब का पाठ हुआ। इसके पश्चात बाबा सरबजीत सिंह जी जत्था फौज अकाल की द्वारा कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में संगत ने अरदास की! इसके बाद अतिथि वक्ता वीर स्वर्ण सिंह स्वर्ण गुरमत परचारक ने अपने ओजस्वी भाषण में संगत को संबोधित करते हुए बताया कि बैसाखी केवल फसल का त्योहार नहीं है, बल्कि यह खालसा पंथ के स्थापना दिवस के रूप में सिखों के लिए आस्था, साहस और समानता का दिन है। यह एकता और भाईचारे का संदेश देता है। कार्यक्रम के पश्चात भारी संख्या में निवासियों ने गुरु के अटूट लंगर का लाभ लिया! इस अवसर पर पंजाबी समाज के अध्यक्ष राजीव कुमार, महासचिव अरुण भाटिया, कोषाध्यक्ष अविनाश सभरवाल, संरक्षक डा. डी. डी. अरोड़ा, एस. एस. घई, उपाध्यक्ष योगेश मलिक, सह सचिव रंधीर सिंह, गगनीश अरोड़ा, कंवीनर मोंटी कक्कड़, अलोक गोस्वामी, राजेश ग्रोवर, नरेश मेहता, संजीव मलिक, राजेश आहुजा, सतपाल खत्री, तपन कुमार, रमेश आस्था, राकेश अरोड़ा, निर्मल सिंह संधु, नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष राजीव अजमानी आरडब्ल्यू सेक्टर 46 के अध्यक्ष टी. सी. गौड़, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सह सचिव ओमकार चौहान, संजय जैन, विनय चौहान आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी विशेष भूमिका निभाई।

डा भीमराव अम्बेडकर जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मंगलवार को भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के पावन

अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस गरिमामयी अवसर पर नोएडा के यशस्वी विधायक पंकज सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने बाबा साहब के विचारों–समानता, सामाजिक न्याय एवं शिक्षा–को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज के उत्थान के प्रति संकल्प के साथ किया गया। कार्यक्रम में राजेंद्र जाटव, वीर सिंह, विनोद कुमार, अनिल जाटव, लिखीराम, अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, चंदगीराम यादव, संजय बाली, राजकुमार बंसल अशोक मिश्रा, प्रज्ञा पाठक, सुचित्रा कक्कड़, मनीष वाल्मीकि, हरिओम जाटव, पुष्पा रावत, मीनाक्षी चौहान, प्रदीप चौहान, मुक्तानंद प्रधान, पीसी पंचोली, मंगाराम, ममता तिवारी, साईमा, उषा थापा, तुषार गोयल, वंदना, ममता, शाइनी आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भारतीय संविदा श्रमिक संगठन ने दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चुर्क। मंगलवार को चुर्क क्षेत्र के ग्राम सभा कूरा मुसही में संविधान

निर्माता,भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति मुसही में अंबेडकर पार्क में 135 वाँ जयन्ती समारोह के अवसर पर पूरे ग्राम सभा में रैली निकाली गई डीजे के धुन पर महिलाएं पुरुष और बच्चे झूमते नजर आए जगह-जगह शरबत और पानी की व्यवस्था की गई थी रैली ग्राम सभा घूमने के बाद चुर्क नगर होते हुए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क में जाकर समापन हुआ जहां पर भव्य श्रद्धांजलि सभा और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेन्द्र बाल्मिकी रहे इस कार्यक्रम में भारी संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चे और पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्षों को याद किया। जयंती समारोह के दौरान संगठन की मजबूती और एकजुटता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सभी लोगों ने बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जितेन्द्र बाल्मिकी ने बाबा साहेब के सिद्धांतों को आज के दौर में सबसे प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा मैं ऐसे धर्म को मानता हूँ जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है। बाबा साहेब ने न केवल संविधान की रचना की, बल्कि समाज के शोषित वर्गों को स्वाभिमान से जीने का मार्ग भी दिखाया। हमारे आप लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके बताए समानता के सिद्धांत ही हमारे सबसे बड़े संबल हैं। बाबा साहेब को विनम्र नमन करते हुए उनके मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा बाबा साहेब ने समाज को उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए एक सशक्त संवैधानिक आधार दिया है। आज जब मजदूरों का उत्पीड़न, ग्रामीण सुविधाओं का अभाव और शिक्षा के गिरते स्तर जैसे सवाल सामने हैं, तब यह जयंती केवल उत्सव नहीं बल्कि संकल्प का दिन है। बाबा साहेब के विचारों को धरातल पर उतारकर समाज में न्याय और समानता की स्थापना करना ही उनके प्रति वास्तविक आदर होगा।कार्यक्रम के अंत में सभी वक्ताओं ने समाज में भाईचारा बनाए रखने और बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करने पर बल दिया। उपस्थित जनसमूह ने शपथ ली कि वे समाज में समरसता और एकजुटता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।इस अवसर पर मुख्य रूप से जगरनाथ,केवल प्रसाद,सोनू निगम,रामकेश विश्वकर्मा, रविंद्र कुमार,राजन,हरिनंदन,रिषू कुमार,आशीष कुमार रोहित उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था में चुर्क चौकी प्रभारी विनोद कुमार यादव अपने टीम के साथ मौजूद रहे।

गौरीगंज में कई जगह धूमधाम से मनाई गयी भारत रत्न डॉ बी आर अम्बेडकर की जयंती

डा0 अम्बेडकर झांकियों की रही भारी आमद, भीड़ बनी चर्चा का विषय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। जिला मुख्यालय में मंगलवार को भारत

रत्न डॉ बी आर अम्बेडकर की जयंती कई जगह धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ से मनाई गयी। रणंजय इंटर कॉलेज के मैदान में अम्बेडकर जयंती का आयोजन अम्बेडकर महासभा गाडगे यूथ ब्रिगेड और प्रोटान के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गयी।

यहां पर शामिल रहे प्रमुख लोगों में संजय कनौजिया, के के कनौजिया, डॉ पीताम्बर कनौजिया, मनोज कुमार, रमेश कुमार, महेश कनौजिया, गुलाब पाल, अजय रावत एडवोकेट, मंशाराम मौर्य प्रबंधक, हरिश्चंद्र पाल, रामयश मौर्य, घनश्याम शर्मा रानीपुर, राजमणि शर्मा एम डब्ल्यू ओ, श्रीकांत शर्मा जिलापरिषद सदस्य दीपक शर्मा नंदवंशी, भोला शर्मा, दिलीप शर्मा कोटेदार, संतोष कुमार मौर्य, राधेश्याम सरोज, हरिश्चंद्र पाल, अभिषेक चौधरी, ममता, विभा कनौजिया, के पी सविता बौद्ध आदि रहे। यहाँ पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। बड़े पैमाने पर झांकियों की भागीदारी रही।

तेजी का पुरवा के मैदान में अम्बेडकर कल्याण समिति के तत्वावधान में भी धूमधाम से डा0 अम्बेडकर जयंती मनाई गयी। यहां भी भारी भीड़ उमड़ी व बड़ी मात्रा में झांकियों की भागीदारी रही।

यहां पर प्रमुख उपस्थित पदाधिकारियों व उपस्थित लोगों में धर्मेन्द्र बौद्ध, दयाशंकर सरोज, पवन कुमार, शिवहर्ष मास्टर, चंदन, भीम, अरुण कुमार शास्त्री, राम जियावन मौर्य, शीतला प्रसाद दाढ़ी, राम अभिलाष बौद्ध, राम अभिलाष मास्टर, राकेश यादव, राजेश सिंह, श्याम सुंदर जायसवाल, सुरेंद्र अम्बेडकर, हरिनाथ बौद्ध, जगन्नाथ पाल, रामशंकर यादव, शिवदर्शन बौद्ध, धर्मेंद्र कनौजिया, शीला मौर्य, रेखा बौद्ध, सुनीता कनौजिया, पूनम एडवोकेट, ध्रुव, राज कोटेदार कंधई राम बौद्धाचार्य, रामचंद्र मौर्य एडवोकेट, महेश कुमार मास्टर के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि रहे। यहाँ भी महिलाओं की तगड़ी भागीदारी रही।

झांकियों की भागीदारी भी तगड़ी रही। दोनों जगह वक्ताओं ने भारत रत्न डा0 बी आर अम्बेडकर साहब के व्यक्तिगत जीवन संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके दलितों पिछड़ी जातियों अल्पसंख्यक जातियों व महिलाओं के अधिकारों के संबंध में किये गये कार्यों की सराहना की।राष्ट्रीय नाई महासभा के कार्यालय में भी डॉ अम्बेडकर साहब की जयंती संक्षेप में श्रद्धापूर्वक मनाई गयी। यहां उप स्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों में प्रांतीय उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, जिलाध्यक्ष रामबरन शर्मा, रामनारायण शर्मा, पवन शर्मा, फौजी रमेश शर्मा, पप्पू शर्मा, राजकुमार शर्मा, रामप्रसाद, सतीश शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, आदि रहे।

कोतवाली के पास देव इंटरप्राइजेज में डॉ के डी सरोज के नेतृत्व में भी डॉ अम्बेडकर जयंती का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यालय ग्राम पंचायत मीतापुर विकास खंड रॉबर्ट्सगंज-जिला- सोनभद्र

पत्रांक / मेमो / टेंडर सूचना / 2026/27 दिनांक-

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मीतापुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा / VB-G RAM G/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त / SLWM/ SBM/RGSA / SNA अन्य निधियो से प्राप्त धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मों के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निर्विदा आमंत्रित की जाती है। ईट प्रथम श्रेणी, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट, टैंकर क्रय, टैंकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईट, सीमेंट, पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शोचालय निर्माण सामग्री, PVC पाईप, बोल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB, हैंड पंप सामग्री, हैंड पंप रिबोर / बोर, पेन्टिंग सामग्री, ई-रिक्शा, ढेला गाड़ी, सफाईकर्मी किट, ह्युम पाईप, सीमेन्ट बेंच, लोहे का दरवाजा, खिड़की, एंगल, पाईप), बिजली वायरिंग सामग्री, समरसिबल पंप, सोलर पंप, अन्य सामग्री। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक- 19-04-2026 से 28-04-2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 30-04-2026 को 02:00 बजे निविदा दाताओ जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा । टेंडर फार्म शुल्क रू0 500 जमा कर निर्धारित अवधि मे प्राप्त किया जा सकता है।

प्रतिबंध और शर्ते - 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2 जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। 3 खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी। 4 सशर्त निविदा स्वीकार्य नहीं की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान-
विकास खंड-
रॉबर्ट्सगंज,सोनभद्र।

ग्राम प.सचिव-
विकास खंड-
रॉबर्ट्सगंज,सोनभद्र।

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्रा. प. मीतापुर
वि.ख.रॉ. सोनभद्र

डी कॉक ने धोनी को पीछे छोड़ा, श्रेयस के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट,मुंबई के सेकेंड इंडविजुअल स्कोरर भी बने

मुंबई। पंजाब किंग्स ने आईपीएल

2026 के 24वें मैच में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में क्विंटन डी कॉक ने बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर के मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ा। गुरुवार को डी कॉक नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई के लिए दूसरे सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोरर बने। पंजाब के कप्तान श्रेयस

अय्यर के डाइविंग कैच से हार्दिक पंड्या पवेलियन लौटे। 1. डी कॉक ने 25वीं बार 50प्लस स्कोर बनाया- क्विंटन डी कॉक ने आईपीएल में बतौर विकेटकीपर अपना 25वां 50प्लस स्कोर पूरा किया। सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर के मामले में वे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर केएल राहुल (31) के नाम हैं, जबकि उनके बाद एमएस धोनी (24), दिनेश कार्तिक (21) हैं। 2. डी कॉक मुंबई के सेकेंड हाईएस्ट इंडविजुअल स्कोरर-क्विंटन डी कॉक ने इस मैच में नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया। इस लिस्ट में टॉप पर सनथ जयसूर्या (114) हैं, जिन्होंने 2008 में यह पारी खेली थी। डी कॉक ने रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। 3. डी कॉक का 9वां टी-20 शतक- टी-20 क्रिकेट में डी कॉक ने नौवां शतक पूरा किया। सबसे ज्यादा शतक के मामले में टॉप पर क्रिस गेल (22) हैं। उनके बाद बाबर आजम (11) और डेविड वॉर्नर (10) हैं। यह आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ किसी मुंबई बल्लेबाज का दूसरा शतक है। इससे पहले लेंडल सिमंस ने 2014 में मोहाली में नाबाद 100 रन बनाए थे। डी कॉक उन विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आईपीएल की तीन अलग-अलग टीमों के लिए शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में केएल राहुल और संजू सैमसन के साथ क्विंटन डी कॉक का नाम जुड़ गया है। 4. प्रभसिमरन ने 25 साल की उम्र में बनाया रिकॉर्ड- प्रभसिमरन सिंह ने 25 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 10 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस मामले में उन्होंने डेविड मिलर (9) और शॉन मार्श (6) को पीछे छोड़ दिया। यहां से टॉप-8 मोमेंट्स-1. अर्शदीप सिंह के 100 आईपीएल विकेट-तीसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे किए। पहली गेंद पर उन्होंने रायन रिकेल्टन को आउट किया। लेग साइड की गेंद पर रिकेल्टन का कैच शशांक सिंह ने पकड़ा। अगली गेंद पर सूर्यकुमार यादव भी आउट हो गए। सूर्या का कैच चहल ने लिया। इसी के साथ अर्शदीप आईपीएल में 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले प्रमुख लेफ्ट-आर्म पेसर्स की सूची में शामिल हो गए। इस लिस्ट में ट्रेंट बोल्ट (144), जयदेव उनादकट (114), आशीष नेहरा (106) और जहीर खान (102) शामिल हैं। अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। उनसे पहले टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट पीयूष चावला (84) के नाम थे। दिलचस्प बात यह रही कि पावरप्ले में IPL में 11 पारियों (21.1 ओवर) के बाद यह उनका पहला विकेट था। टी-20 क्रिकेट में भी यह पिछले 9 मैचों

के बाद पावरप्ले में उनका पहला विकेट रहा। 2. नमन धीर का कैच चहल से छूटा-चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर नमन धीर को जीवनदान मिला। मार्को यानसन ने ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ गेंद डाली, जिस पर धीर ने स्कूप शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले पर सही तरीके से नहीं लगी और शॉर्ट फाइन लेग की ओर हवा में चली गई। वहां युजवेंद्र चहल के पास आसान कैच का मौका था, लेकिन वे पकड़ नहीं सके और गेंद हाथों से छूट गई। चहल ने इशारा किया कि रोशनी की वजह से उन्हें गेंद नजर नहीं आई। 3. डी कॉक ने रिवर्स शॉट पर चौका लगाकर शतक पूरा किया-18वें

ओवर की आखिरी गेंद पर क्विंटन डी कॉक ने चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टंप के बाहर लो फुल टॉस डाली, जिस पर डी कॉक ने झुककर रिवर्स लैप शॉट खेला। उन्होंने गेंद की रफ्तार का इस्तेमाल करते हुए उसे शॉर्ट थर्ड मैन के आगे से बाउंड्री तक पहुंचाया। 4. हार्दिक पंड्या के आईपीएल में 150 सिक्स पूरे-18वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पंड्या ने छक्का लगाकर आईपीएल में अपने 150 सिक्स पूरे किए। मार्को यानसन की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर हार्दिक ने सामने की ओर शॉट खेला और गेंद बाउंड्री के पार गई। 5. श्रेयस अय्यर के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट- 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर हार्दिक पंड्या आउट हो गए। यानसन ने धीमी गति से बाहर जाती गेंद डाली, जिस पर हार्दिक बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगी और हवा में गई। लॉन्ग-ऑन से दौड़ते हुए श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रयास किया। उन्होंने बाउंड्री के पास छलांग लगाकर कैच लिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने पर गेंद को हवा में उछाला, जिसे पास खड़े जेवियर बार्टलेट ने पूरा किया। 6. यानसन की यॉर्कर से रदरफोर्ड का बैट टूटा- 18वें ओवर की आखिरी दो बॉल में मार्को यानसन ने रदरफोर्ड को यॉर्कर डाली। गेंद अंदर आई और रदरफोर्ड उसे ठीक से खेल नहीं पाए। बल्ले का किनारा लगकर गेंद शॉर्ट थर्ड मैन की ओर गई और इस दौरान उनका बल्ला ऊपर से टूट गया। 7. बुमराह ने प्रभसिमरन का कैच छोड़ा-चौथे ओवर में प्रभसिमरन सिंह को जीवनदान मिला। ओवर की पहली बॉल हार्दिक पंड्या ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। प्रभसिमरन ने कट शॉट खेला, बॉल जसप्रीत बुमराह की ओर गई, लेकिन वे कैच नहीं पकड़ सके। 8. श्रेयस की चौके से फिफ्टी-15वें ओवर में श्रेयस अय्यर ने भी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने 37 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। अय्यर ने बुमराह की चौथी बॉल पर चौका लगाया और अर्धशतक पूरा किया।

एसिड से बन रहा नकली पनीर,इन 4 तरीकों से करें असली-नकली की पहचान, होटल-रेस्त्रां में कभी न खाएं ये चीजें

नयी दिल्ली। मार्च के पहले हफ्ते में सूरत के फूड डिपार्टमेंट ने 1400 किलो नकली पनीर जब्त किया। वहीं अप्रैल के दूसरे हफ्ते पंजाब में खुलासा हुआ कि कुछ डेयरियां टॉयलेट क्लीनर और फ्लोर क्लीनिंग एसिड से पनीर बना रही हैं। ये केमिकल शरीर के लिए बेहद खतरनाक हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम से लेकर किडनी-लिवर तक को गंभीर रूप से डैमेज कर सकते हैं। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि- नकली पनीर खाने से कौन-सी हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? असली-नकली पनीर की पहचान कैसे करें? समझेंगे विषय को डॉ. उमेश कुमार, फूड एनालिस्ट, फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, उत्तर प्रदेश जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- नकली पनीर कैसे सफेद दिखाने के लिए डिटर्जेंट या सस्ते केमिकल्स मिलाए जाते हैं। रबर/प्लास्टिक-टाइप इमिटेशन। कुछ जगहों पर सख्त टेक्सचर देने के लिए सिंथेटिक रेजिन जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- एसिड, टॉयलेट क्लीनर से बना पनीर खाना कितना खतरनाक हो सकता है? जवाब- एसिड या टॉयलेट क्लीनर से बना पनीर खाने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं- इससे ऑर्गन डैमेज होने का रिस्क रहता है। डाइजेस्टिव सिस्टम खराब हो सकता है। गंभीर मामलों में जानलेवा भी हो सकता है। सवाल- नकली पनीर का कोई भी खतरनाक रिएक्शन कितनी देर में दिखता है? जवाब- पॉइंटर्स में इसे ध्यान से समझिए- नकली पनीर खाने के कुछ घंटे बाद मुंह, गले और पेट में तेज जलन, उल्टी, खून के साथ उल्टी, तेज पेट दर्द, चक्कर, कमजोरी, नकली पनीर खाने के 2 दिन बाद आंतों में सूजन और अल्सर गंभीर डिहाइड्रेशन, किडनी डैमेज, लो ब्लड प्रेशर, सवाल- असली और मिलावटी पनीर की पहचान कैसे करें? जवाब- कुछ आसान तरीकों से असली और मिलावटी पनीर की पहचान की जा सकती है- 1) वाटर टेस्ट कैसे करें:-पनीर का छोटा टुकड़ा पानी में डालें। असली पनीर:-धीरे-धीरे पनीर नीचे बैठ जाता है। पानी सामान्य रहता है। मिलावटी पनीर:-पनीर पानी में तैरने लगता है। पानी थोड़ा धुंधला या झागदार हो जाता है। 2) रबिंग टेस्ट कैसे करें:-पनीर को हाथ से हल्का रगड़ें। असली पनीर:-एक्स्ट्रा सॉफ्ट और जल्दी टूटता है। दानेदार टेक्सचर होता है। मिलावटी पनीर:-बहुत स्मूद, रबर जैसा या चिपचिपा होता है। प्लास्टिक जैसा दिखता है।

3) गंध और स्वाद-असली पनीर:- हल्की दूध जैसी खुशबू होती है। सादा, क्रीमी स्वाद होता है। मिलावटी पनीर:-अजीब केमिकल/साबुन जैसी गंध होती है। कड़वा या अजीब टेस्ट होता है। 4) आयोडीन टेस्ट (स्टार्च चेक) कैसे करें:- पनीर पर आयोडीन की 1-2 बूंद डालें। अगर पनीर का रंग नीला/काला हो जाए तो स्टार्च मौजूद है। अगर रंग न बदले तो असली है। सवाल- नकली पनीर सबसे ज्यादा कहां सप्लाई होता है? जवाब- नकली पनीर की सप्लाई हर उस जगह पर ज्यादा होती है, जहां सस्ता खाना मिल रहा है। जहां पर डिमांड ज्यादा है और प्रॉपर क्वालिटी चेक की कोई व्यवस्था नहीं है। जैसे- ढाबे और छोटे रेस्टोरेंट-स्ट्रीट फूड वेंडर्स-शादियां और बड़े इवेंट (कैटरिंग) लोकल डेयरी,अनब्रांडेड सप्लाई चेन,सस्ते होटेल/मेस/कैंटीन, सवाल- होटल/ढाबे में खाना खाते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इन जगहों पर हाइजीन का ध्यान तो रखना ही चाहिए। लेकिन साथ ही कोई भी ऐसी चीज नहीं खानी चाहिए, जिसमें पनीर हो।खाना ऑर्डर करते समय इन बातों का ध्यान रखें -किचन/काउंटर की सफाई। खाना ताजा बन रहा है या नहीं। स्टाफ ग्लव्स/हाइजीन फॉलो कर रहा है या नहीं। अजीब गंध या रंग दिखे तो अवॉइड करें। शक हो तो खाना छोड़ देना बेहतर है। सवाल- सबसे सुरक्षित पनीर कौन सा है? जवाब- घर का बना पनीर सबसे शुद्ध और सेफ होता है क्योंकि इसे दूध फाड़कर घर पर ही तैयार किया जाता है। अगर घर पर पनीर बनाना मुमकिन नहीं है तो ऐसे में- भरोसेमंद लोकल डेयरी का ताजा पनीर लें-अगर किसी डेयरी को लंबे समय से जानते हैं। वहां का पनीर लिया जा सकता है। इनकी सप्लाई चेन छोटी होती है। इसलिए मिलावट की गुंजाइश कम होती है। हालांकि अगर डेयरी अनवेरिफाइड है तो मिलावट का खतरा रहता है। एफएसएसएआई अप्रूव्ड पैकेज्ड ब्रांडेड पनीर क्वालिटी चेक और स्टैंडर्डाइज्ड प्रोसेस से होकर गुजरता है। पैकिंग, एक्सपायरी डेट और बैच नंबर मौजूद होता है। मिलावट की संभावना कम होती है। सवाल- पैकेज्ड पनीर खरीदते समय लेबल पर क्या देखें? जवाब- पैकेज्ड पनीर लेते समय लेबल पढ़ना सबसे जरूरी है। पनीर के पैकेट की क्वालिटी, हाइजीन और ट्रेसेबिलिटी तय करने के लिए लेबल पढ़ना जरूरी है। सवाल- अगर गलती से नकली पनीर खा लिया है तो तुरंत क्या करें? जवाब- अगर गलती से नकली पनीर खा लिया है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले खूब पानी पिएं, ताकि शरीर से टॉक्सिन बाहर निकल सकें। अगर मतली, उल्टी, पेट दर्द या दस्त जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। क्या न करें? उल्टी कराने की कोशिश। दूध/नींबू/जैसे घरेलू उपाय। सवाल- अगर कहीं नकली पनीर मिले तो उसकी शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब- नकली पनीर में मिलावट का शक हो तो संबंधित फूड अथॉरिटी में शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए-एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' एप से शिकायत दर्ज करें। एफएसएसएआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत करें। राज्य के फूड सेफ्टी विभाग से संपर्क करें। नजदीकी नगर निगम या फूड इंस्पेक्टर को जानकारी दें। शिकायत के समय प्रोडक्ट की फोटो, पैकेजिंग और बिल जरूर शेयर करें।

दावा- विराट ने अवनीत कौर सहित एक जर्मन मॉडल की फोटो लाइक की,एक व्यक्ति ने स्क्रीनशॉट शेयर किए

नयी दिल्ली। क्रिकेटर विराट कोहली जर्मन मॉडल लिजलाज की एक फोटो को लाइक करने

को लेकर चर्चा में आ गए। लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए दावा किया है कि विराट के आधिकारिक अकाउंट से लिजलाज की एक पुरानी फोटो को लाइक किया गया है।अद्वैत ने कैप्शन में लिखा, 'इस पर कैसे रिएक्ट करें... जब GOAT विराट कोहली, आपकी पोस्ट लाइक कर दें। मैं और लिजलाज अभी भी अपनी आंखें मलकर देख रहे हैं कि ये सच में हो रहा है या नहीं... हाहा... धन्यवाद GOAT' बता दें कि लिजलाज एक जर्मन-दक्षिण अफ्रीकी मॉडल, ब्लॉगर और इन्फ्लुएंसर हैं, जो भारत में अपने ट्रैवल कंटेंट (जैसे 'समोसा समोसा' वीडियो) के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फिल्ममंत्रा को दिए इंटरव्यू में बताया था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं। सोशल मीडिया पर जैसे ही विराट कोहली के लाइक वाला स्क्रीनशॉट वायरल हुआ, तो कई यूजर्स ने इस पर रिएक्शन दिए। हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि कोहली ने सच में इसे लाइक किया था या फिर यह किसी एल्गोरिदम की गलती है। गौरतलब है कि पिछले साल मई 2025 में विराट ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की एक फोटो को लाइक किया था। जिसको लेकर कोहली ने सफाई देते हुए कहा था, 'मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि फीड क्लियर करते समय ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे मेरा कोई इरादा नहीं था। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया बेवजह कोई भी बातें नहीं बनाएं। समझने के लिए धन्यवाद।'

गर्मियों में जल्दी खराब होता खाना,फूड स्टोरेज के 24 टिप्स

लखनऊ। गर्मियों में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होती हैं। फूड स्टोरेज की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करने से फूड पॉइजनिंग, डायरिया और पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में सही फूड स्टोरेज बीमारियों से बचाव का अहम हिस्सा है। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि- गर्मियों में फूड स्टोरेज के बेसिक रूल्स क्या हैं? किन गलतियों से बचना चाहिए? अलग-अलग फूड आइटम्स को कैसे स्टोर करें? विषय को समझेंगे-एक्सपर्ट- डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से -सवाल- गर्मियों में खाने-पीने की चीजों का सही स्टोरेज क्यों जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा तापमान होने पर बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इससे खाने में टॉक्सिन्स बन सकते हैं। सही स्टोरेज (फ्रीजिंग, एयरटाइट कंटेनर) बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं या रोक सकते हैं, जिससे खाना सेफ रहता है।सवाल- गर्मियों में खाना जल्दी खराब क्यों होता है? जवाब- इसके लिए कई फैक्टर्स जिम्मेदार हैं- ज्यादा तापमान बैक्टीरिया की ग्रोथ तेज करता है।गर्मी में खाने में मौजूद फैट्स तेजी से ऑक्सिडाइज्ड होने लगते हैं, जिससे ऑयली फूड्स में बदबू आने लगती है। हाई टेम्परेचर प्रोटीन ब्रेकडाउन को तेज कर देता है। खासकर दूध, दाल, मीट जैसे प्रोटीन-रिच फूड में ये प्रक्रिया जल्दी होती है, जिससे स्मेल बदलने लगती है। गर्मियों में ह्यूमिडिटी (नमी) ज्यादा होती है, जिससे पके भोजन, ब्रेड और फल जैसी चीजों में फंगस और यीस्ट तेजी से पनपते हैं। बार-बार तापमान बदलने (जैसे बाहर रखना, फिर फ्रिज में रखना) से खाना जल्दी खराब होता है। सवाल- गर्मियों में फूड स्टोरेज के बेसिक रूल्स क्या हैं? जवाब-

गर्मियों में कुछ बेसिक स्टोरेज रूल्स अपनाना जरूरी है, ताकि खाना सुरक्षित, ताजा और हेल्दी बना रहे। सवाल- कैसे पता चलेगा कि कोई फूड खराब हो गया है? जवाब- ये कोई रॉकेट साइंस नहीं है। अमूमन खाने की महक, टेक्सचर से पता चल जाता है कि ये खराब हो चुका है। लेकिन-गर्मी के मौसम में सिर्फ स्मेल, रंग, टेक्सचर पर भरोसा न करें। अगर तापमान 40 डिग्री से ऊपर है और खाना तीन घंटे से ज्यादा बाहर रखा है तो उसे न खाएं। खाने का स्वाद थोड़ा भी अजीब लगे तो उसे न खाएं। सवाल- गर्मियों में अलग-अलग फूड को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? जवाब- नीचे हर तरह के फूड आइटम के स्टोरेज का तरीका डिटेल में पढ़ें। सब्जियां, हरी पत्तेदार सब्जियों को पहले अच्छे से धोकर सुखाएं। फिर पेपर टॉवल में लपेटकर फ्रिज में रखें। जड़ वाली सब्जियां फ्रिज में न रखें। उसे ठंडी, सूखी जगह पर रखें। फल, कटे हुए फल तुरंत खा लें या फ्रिज में एयरटाइट बॉक्स में रखें। अंगूर और बेरीज जैसे फल थोकर और अच्छी तरह सुखाकर ही फ्रिज में रखें। पका हुआ खाना पका हुआ खाना 2 घंटे के अंदर फ्रिज में रख दें। सामान्य टेंपरेचर पर आने के बाद ही फ्रिज में रखें। इसे 1-2 दिन के भीतर खा लेना ही बेहतर होता है। दूध -दूध को उबालकर ठंडा करें। ठंडे दूध को फ्रिज के अंदर वाले शेल्फ में रखें।

दही-दही को हमेशा ढककर फ्रिज में रखें। दही निकालते समय साफ चम्मच का इस्तेमाल करें। नॉन-वेज फूड-गर्मियों में नॉन-वेज फूड फ्रिज में 1-2 दिन से ज्यादा न रखें। अगर लंबे समय के लिए स्टोर करना हो तो इन्हें फ्रीजर में रखें। हमेशा अलग एयरटाइट कंटेनर में रखें, ताकि कटी हुई सब्जियों को एयरटाइट कंटेनर में करके फ्रिज में रखें। 24 घंटे के भीतर इस्तेमाल करें। वहीं आलू, प्याज, लहसुन जैसी दूसरे खाने के साथ क्रॉस-कंटैमिनेशन न हो। ब्रेड और बेकरी आइटम -ब्रेड और बेकरी आइटम को सूखी जगह पर रखें। अगर ज्यादा दिनों तक स्टोर करना हो तो फ्रीज करें। ड्राई फूड-ड्राई फूड्स को एयरटाइट कंटेनर में रखें। नमकीन और बिस्कुट जैसे स्नैक्स अच्छी तरह सील करके और नमी से दूर रखें।ड्रिंक्स-फ्रेश जूस को तुरंत पी लें। अगर स्टोर करना हो तो 24 घंटे के अंदर यूज कर लें। पानी को हमेशा ढककर रखें। पानी को प्लास्टिक की बोतलों में लंबे समय तक स्टोर न करें। अचार और सॉस-अचार को सूखे चम्मच से निकालें। इसे समय-समय पर धूप में रखें। सॉस को फ्रिज में रखना बेहतर है। चॉकलेट और मिठाइयां चॉकलेट को ठंडी और सूखी जगह पर रखें। मिठाइयों को फ्रिज में स्टोर करें। मिठाइयों को 2-3 दिन के भीतर खत्म कर दें। सवाल- गर्मियों में फूड स्टोरेज से जुड़े मिथ और फैक्ट क्या हैं? जवाब- गर्मियों में फूड स्टोरेज को लेकर कई कॉमन प्रैक्टिस हैं, जिन्हें लोग बिना जांचे-परखे सच मान लेते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सही और गलत के फर्क को समझा जाए।

मिथ 1: सभी फल और सब्जियां फ्रिज में रखने से ताजी रहती हैं। फैक्टः ऐसा नहीं है। आलू, प्याज, लहसुन और एवाकाडो वगैरह फ्रिज में रखने से जल्दी खराब हो सकते हैं। इन्हें ठंडी और सूखी जगह पर रखें। मिथ 2: बचा हुआ खाना फ्रिज में कई दिनों तक सुरक्षित रहता है। फैक्टः गर्मी में खाना जल्दी खराब होता है। पका भोजन 24 से 48 घंटों के भीतर खा लेना चाहिए। दोबारा अच्छी तरह गरम करके ही खाना चाहिए। मिथ 3: फ्रिज में हर जगह तापमान बराबर होता है। फैक्टः फ्रिज के ऊपरी शेल्फ का तापमान सबसे कम होता है, जबकि दरवाजे का हिस्सा सबसे कम ठंडा होता है। मिथ 4: बोतल बंद चीजें खराब नहीं होतीं। फैक्टः डिब्बाबंद फूड खोलने के बाद फ्रिज में रखना जरूरी है। बाहर खुला रखने से ये जल्दी खराब हो सकता है।

कहीं मुझे प्यार तो नहीं हो गया,हमेशा बस उसका ही ख्याल, न देखूं तो बेचैनी, ये प्यार है या सिर्फ अट्रैक्शन

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं बीएससी सेकेंड ईयर का स्टूडेंट हूं। मेरी क्लास की एक लड़की से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। हम साथ बैठकर पढ़ते हैं और अपनी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। वीकेंड्स पर हम साथ घूमने भी जाते हैं। पिछले कुछ समय से मुझे महसूस हो रहा है कि मेरे मन में उसके लिए अलग तरह की फीलिंग्स आने लगी हैं। उसे देखते ही खुशी होती है, उससे बात न हो तो बेचैनी होने लगती है। मैं अक्सर उसके बारे में ही सोचता रहता हूं। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये सच में प्यार है या सिर्फ अट्रैक्शन। मैं अपनी फीलिंग्स को कैसे समझूं और इस सिचुएशन में मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- आप जीवन के उस पड़ाव पर हैं, जहां भावनाएं बहुत तीव्र होती हैं। इस उम्र में किसी की तरफ अट्रैक्ट होना, हर वक्त उसके बारे में सोचना, बेचैनी होना बहुत स्वाभाविक है। ये अच्छी बात है कि आप अपनी भावनाओं को लेकर अवेयर हैं और जल्दबाजी में किसी फैसले से पहले इसे समझना चाहते हैं। चलिए अब आपकी उलझन को सुलझाने की कोशिश करते हैं।

प्यार और अट्रैक्शन में फर्क- प्यार और अट्रैक्शन के बीच थिन लाइन होती है, दोनों पेट में तितलियों जैसा एहसास कराते हैं। हालांकि, इनके मायने थोड़े अलग हैं। अट्रैक्शन-यह आमतौर पर बाहरी चीजों पर निर्भर करता है। जैसे लुक, स्टाइल, बात करने का तरीका, हंसी या कोई खास टैलेंट।

यह बहुत तेजी से होता है और कई बार बहुत तीव्र भी होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि टिकाऊ भी हो। प्यार-यह एक गहरा एहसास है, जो समय के साथ विकसित होता है। यह सिर्फ बाहरी सुंदरता पर निर्भर नहीं होता है। यह व्यक्ति के विचारों, उसके स्वभाव, उसकी अच्छाइयों-कमियों सबको स्वीकारने पर आता है। प्यार में स्थायित्व होता है और अक्सर लंबे समय तक टिका रहता है। ये प्यार है या आकर्षण? अपनी भावनाओं की गहराई नापने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें और ईमानदारी से उनके जवाब दें। यह कोई मनोवैज्ञानिक साइंटिफिक टेस्ट नहीं है। ये सवाल सिर्फ इसलिए है, ताकि आप खुद से पूछकर यह समझ सकें कि आप जो फील कर रहे हैं, वह प्यार है या आकर्षण। अगर सेक्शन 'ए' (प्यार) के ज्यादातर सवालों का जवाब 'हां' है तो इसका मतलब आप प्यार में हैं। अगर सेक्शन 'बी' (आकर्षण) के ज्यादातर सवालों का जवाब 'हां' है तो आपको आकर्षण है। यह वैल्यू जजमेंट की बात नहीं है। अगर प्यार है तो भी सुंदर है। अगर आकर्षण है तो भी उतना ही सुंदर है। अमूमन लोग अट्रैक्शन को 'कमतर' और प्यार को 'बड़ा' मानते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि कई बार गहरे प्यार की शुरुआत एक छोटे से आकर्षण से ही होती है। इसलिए अपनी फीलिंग्स को जज न करें।नतीजे पर पहुंचने की जल्दी क्यों? इस वक्त में जो है, उसे महसूस करें-आपकी उम्र अभी सिर्फ 21 साल है। यह करियर बनाने और खुद को समझने का समय है। इतनी जल्दी किसी रिश्ते को 'प्यार' का नाम देकर खुद पर दबाव न डालें। इस वक्त जो है, उसे महसूस करें। दोस्ती बहुत अनमोल होती है। हो सकता है कि आप दोनों का यह तालमेल समय के साथ और गहरा हो जाए और स्वाभाविक रूप से प्यार में बदल जाए। ये भी हो सकता है कि यह रिश्ता सिर्फ एक अच्छी दोस्ती ही रहे। जो भी हो, उसे स्वाभाविक तरीके से होने दें। कुछ भी 'चेज' (पीछा) न करें या जबरदस्ती हासिल करने की कोशिश न करें। इसके साथ आपको यह भी समझने की जरूरत कि प्यार वो नहीं है, जो किताबों में अक्सर पढ़ने को मिलता है। प्यार वो नहीं, जो रोमांटिक किताबें हमें बताती हैं-फिल्मों और किताबों में प्यार को अक्सर विरह, तड़प, बेचैनी और पागलपन की तरह दिखाया जाता है। जबकि असल जिंदगी में प्यार का पैरामीटर बिल्कुल बुनियादी होना चाहिए। प्यार वो नहीं है, जो आपको कमजोर या असुरक्षित बनाए। जब भी लगे प्यार है, खुद से पूछें ये सवाल-जिंदगी में जब भी ये कन्फ्यूजन हो कि ये प्यार है या नहीं, तो खुद से एक ही सवाल पूछें- 'जब मैं उसके साथ होता हूं, तो अपने बारे में कैसा महसूस करता हूं?' अगर किसी के साथ होकर आप खुद को ज्यादा बेहतर, ज्यादा आत्मविश्वास से भरे, ज्यादा सुरक्षित और खुश महसूस करते हैं, तो इसका मतलब कि वह एक हेल्दी रिश्ता है। अगर किसी के साथ आप खुद को इनसिक्योर, छोटा या परेशान महसूस करते हैं तो वह प्यार नहीं, बल्कि एक टॉक्सिक सिचुएशन हो सकती है। प्यार सिर्फ खुशी है, प्यार सुंदरता है, प्यार मौज है। प्यार दुख-दर्द, पीड़ा और बोझ नहीं है। अंतिम सलाह-अभी आप सिर्फ अपनी दोस्ती को एन्जॉय करें। एक-दूसरे को और बेहतर तरीके से जानें। वक्त को अपना काम करने दें। अगर यह सच्चा प्यार होगा तो यह समय की कसौटी पर खरा उतरेगा और आपको खुद-ब-खुद इसका जवाब मिल जाएगा। जल्दबाजी न करें, जर्नी का आनंद लें।

एक्टर ने जबरदस्ती एक्ट्रेस को बीफ खिलाने की कोशिश की-भड़के फैंस

मुंबई। मलयाली एक्टर और मॉडल शियास करीम पर जबरदस्ती एक्ट्रेस को बीफ खिलाने के आरोप लगे हैं। इस घटना का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना भी की जा रही है। एक्टर शियास करीम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो और एक्ट्रेस अनुमोल अनुकुट्टी, एक पार्टी में बुफे से खाना लेते नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस अनुमोल आगे चलती हुई खाना निकाल रही हैं, तभी उनके पीछे खड़े एक्टर शियास उनसे बार-बार पूछते हैं- बीफ खाएगी। एक्ट्रेस ने साफ इनकार किया, तो एक्टर ने उनका मजाक भी बनाया। मना करने के बावजूद शियाज जबरदस्ती बार-बार पूछते हैं। इस पर एक्ट्रेस उन्हें नजरअंदाज करते हुए आगे निकल गईं।बता दें कि सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस बीफ खाती नजर नहीं आई हैं और न ही शियास ने उनकी प्लेट में सर्व किया है। हालांकि इसके बावजूद एक्टर की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि मुस्लिम शियास को वैसे ही पोर्क खाने के लिए मजबूर करना चाहिए, जैसे वो अनुमोल को बीफ खाने के लिए कर रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद जहां कई लोग शियाज के लिए भद्दी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ऐसे भी हैं, जो ये दावा कर रहे हैं कि एक्ट्रेस अनुमोली बीफ खाती हैं। अनुमोल की कई तस्वीरें भी वायरल की जा रही हैं, जिनमें वो खुद अपने हाथों से बीफ सर्व करती दिखी हैं। कुछ यूजर्स का ये भी कहना है कि केरल में बीफ खाना आम है और वहां 80-90 प्रतिशत हिंदू भी बीफ खाते हैं, ऐसे में मामले को गलत रूप देना बिल्कुल गलत है।

आलोचना होने और विवाद बढ़ने के बाद एक्टर शियाज करीम ने सफाई देते हुए ऑफिशियल इंस्टाग्राम से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वो साफ कह रहे हैं कि एक्ट्रेस अनुमोल बीफ खाती हैं, इसलिए उन्हें ऑफर किया गया था। शियाज ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी भी पोस्ट की है, जिसमें अनुमोली खुद बीफ खाती और सर्व करती नजर आई हैं। इसके अलावा भी उन्होंने बीफ की कई डिशेज के वीडियो पोस्ट किए हैं।

बता दें कि शियास को बिग बॉस मलयाली सीजन 1 से पहचान मिली थी। इससे पहले भी वो विवादों में रह चुके हैं। 2024 में उनकी जिम ट्रेनर ने उन पर शादी का झासा देकर रेप करने के आरोप लगाए थे।

वहीं एक्ट्रेस अनुमाल अनुकट्टी ने बिग बॉस मलयाली सीजन 7 जीता है।

जेल में तेज बुखार में तड़पते रहे विक्रम भट्ट, बोले भगवान से कहते थे- मैं यहां नहीं मरना चाहता

मुंबई। 30 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में दिसंबर से फरवरी तक जेल में रहे फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने जेल के दर्दनाक दिनों को याद किया है। फिल्ममेकर की मानें तो उन्हें कड़ाके की ठंड की वजह से तेज बुखार हुआ, वो दर्द से कराह रहे थे, लेकिन वहां मौजूद पुलिसवाले उन्हें डॉक्टर के पास तक नहीं ले गए। जेल के कैदियों ने ही मदद की। ऐसे में वो और कहा कि सब ठीक है।' आगे फिल्ममेकर ने लिखा, 'मैंने कहा, ये मजाक है क्या? मुझे एक्सियल स्पॉनडिलोआर्थिटिस है, जो एक ऑटोइम्यून बीमारी है, और मेरे लिए तेज बुखार खतरनाक हो सकता है। आखिरकार डॉक्टर ने मुझे बाहर अस्पताल ले जाने के लिए एक नोट लिख दिया। लेकिन कोई आया ही नहीं। पहले पुलिस एक वीआईपी की सुरक्षा में व्यस्त थी। फिर एक आदिवासी मेले में। दिन पर दिन मैं बैरक में इंतजार करता रहा। मेरे दिन दर्द में बीतते थे, और रातें बुखार में।' आगे भावुक होकर फिल्ममेकर ने लिखा, 'एक समय ऐसा आया जब मुझे समझ आ गया कि मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। तो मैंने वही किया जो मैं कर सकता था। मैंने तेल और नमक खाना बंद कर दिया, जितना हो सके पानी पिया, और बैरक में लगी देवी की एक बड़ी तस्वीर के सामने बैठ गया। और मैंने प्रार्थना की। मैंने कहा, 'अगर आप हैं, अगर मेरी प्रार्थनाओं का कभी कोई मतलब रहा है, तो मुझे एक चमत्कार दिखाइए। मैं यहां मरना नहीं चाहता। मेरे बच्चों को मेरी जरूरत है। मेरी पत्नी को मेरी जरूरत है। मेरे 90 साल के पिता को मेरी जरूरत है।'' आखिर में फिल्ममेकर ने लिखा, 'हर दिन मैं प्रार्थना करता रहा। और धीरे-धीरे, कुछ बदलने लगा। बुखार कम होने लगा। दर्द धीरे-धीरे घटने लगा। दिन-ब-दिन मैं ठीक होने लगा। एक सुबह मैंने देवी की ओर देखा और बस इतना कहा, 'मुझे मेरी जिंदगी वापस देने के लिए धन्यवाद।'' जेल अधिकारियों पर लापरवाही करने के आरोप भी लगाए- अपनी पोस्ट में विक्रम भट्ट ने जेल प्रशासन पर लापरवाही करने के भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा है कि शिकायत करने के 15 दिन बाद पुलिसवाले उन्हें अस्पताल ले जाने आए थे, लेकिन तब तक वो ठीक हो चुके हैं। इस पर उन्होंने पुलिसवालों से कहा था, 'जनाब, आप करीब 15 दिन देर से आए हैं। शायद आप मेरे भूत को देखने आए हैं।' जब उन्होंने अधिकारी से पूछा कि अगर ये इमरजेंसी होती तो वो क्या करते, जवाब मिला, 'ओह, तब हम आपको जेल गाइड्स के साथ भेज देते।' इस पर विक्रम लिखते हैं, 'वे मुझे पहले भी भेज सकते थे। शायद उन्होंने नहीं भेजा। या शायद भगवान मुझे पहले कुछ सिखाना चाहते थे। इसलिए जब लोग कहते हैं कि भगवान नहीं है, तो मैं बस मुस्कुरा देता हूं। क्योंकि कुछ चमत्कार सिर्फ उसी को दिखाई देते हैं, जिसे उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।' ढाई महीने जेल में रहे, जानिए क्या था विवाद-राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर उदयपुर में दर्ज कराई थी। डॉ. अजय मुर्डिया का आरोप है कि एक इवेंट में उनकी मुलाकात दिनेश कटारिया से हुई थी। दिनेश कटारिया ने उन्हें पत्नी की बायोपिक बनाने का प्रस्ताव दिया। इस सिलसिले में दिनेश कटारिया ने 24 अप्रैल 2024 को मुंबई स्थित वृंदावन स्टूडियो बुलाया था। कटारिया ने उन्हें विक्रम भट्ट से मिलवाया, जहां भट्ट से बायोपिक बनाने पर चर्चा हुई थी।

कुछ दिन बाद विक्रम और श्वेतांबरी भट्ट ने डॉक्टर अजय मुर्डिया को कहा- 7 करोड़ रुपए और फाइनेंस करके वे 4 फिल्में 47 करोड़ में बना सकते हैं। इन फिल्मों की रिलीज से 100 से 200 करोड़ रुपए तक मुनाफा हो जाएगा। इसके बाद उनके स्टाफ में अमनदीप मंजीत सिंह, मुदित, फरजाना आमिर अली, अबजानी, राहुल कुमार, सचिन गरगोटे, साबो बा भिमाना अडकरी के नाम के अकाउंट में 77 लाख 86 हजार 979 रुपए ट्रांसफर करवाए। इस तरह 2 करोड़ 45 लाख 61 हजार 400 रुपए ट्रांसफर किए।

वहीं इंदिरा एंटरटेनमेंट से 42 करोड़ 70 लाख 82 हजार 232 रुपए का भुगतान किया गया, जबकि चार फिल्मों का निर्माण 47 करोड़ में किया जाना तय हुआ था।

गीतकार हसरत जयपुरी की 104वीं बर्थ एनिवर्सरी,आखिरी सांस तक मामा के हाथ में कलम और किताब थी-भांजे डब्बू मलिक

मुंबई। हिंदी सिनेमा के दिग्गज गीतकार हसरत जयपुरी की 104वीं बर्थ एनिवर्सरी पर उनके भांजे डब्बू मलिक ने उनसे जुड़ी कई खास यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि हसरत जयपुरी न सिर्फ बेहतरीन शायर थे, बल्कि अपनी निजी जिंदगी में बेहद सादगी और अपनापन रखने वाले इंसान भी थे। चौपाटी पर खिलौने बेचने और बस कंडक्टर की नौकरी से शुरू हुआ उनका सफर उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के शीर्ष गीतकारों में ले आया। शंकर-जयकिशन और राज कपूर के साथ उनकी जोड़ी ने कई यादगार गाने दिए। आखिरी सांस तक उनके हाथ में कलम और किताब रही, जो उनके काम के प्रति जुनून को दिखाती है। डब्बू मलिक बताते हैं- हम बहुत छोटे थे, तब खार स्थित मामा हसरत जयपुरी के घर पर जाते थे। घर से बालकनी से सटा उनका बेड होता था, जहां बैठकर वे पोयट्री लिखते थे। हमारी बचपन की यादें यह है कि बड़े-बड़े डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, एक्टर का हुजूम उनसे मिलने के लिए घर आते थे। हम छोटे थे, तब इतना क्लीयर नहीं होता था कि लोग उन्हें इतना रिस्पेक्ट या इतना इंपोर्टेंस क्यों दे रहे हैं। यह जानने के लिए हमें वर्षों लगे। फिर धीरे-धीरे पता चला कि मामाजी बहुत बड़े गीतकार हैं। अब पीछे मुड़कर देखता हूं, तब पाता हूं कि बाप रे! इस इंसान ने इतना बेहतरीन काम किया। उनकी सबसे

खूबसूरत चीज यह होती थी कि उनको किमाम पान और परफ्यूम का बड़ा शौक था। उसी तरह उनकी खुशबूदार पर्सनालिटी भी थी। उनका बहन-बहनोई आदि का काफी बड़ा कुनबा था और वे सबको बड़ा प्यार देते थे। सबका खयाल रखते थे, उनकी यह सबसे बड़ी विशेषता थी। लोगों की जिंदगी के बारे में सोचते थे और उसमें मग्न रहते थे। हम लोग सोचते थे कि उनका अटेंशन लेना भी बहुत मुश्किल था। बिकॉज, वे दिन भर गीत लिखने में लगे रहते थे। मुझे उनकी एक शाम की बात याद है, जो कभी भूलता नहीं हूं। वह यह है कि जय किशन की डेथ हुई थी। उस दिन नेशनल रेडियो पर उनका लिखा गीत पूरे हिंदुस्तान में बज रहा था। वह गीत था- 'गीतों का कन्हैया चला गया, अब गीत मेरे विरान हुए...', इसे सुनकर उनके आंसू रुक नहीं रहे थे। मुझे पता नहीं, शायद इसकी कम्पोजिशन शंकर-जयकिशन जी ने की होगी। लेकिन वह लम्हा कभी भुलाए भुला नहीं जाता। उनके गीतों पर शंकर-जयकिशन की जोड़ी ने बड़ा दिलकश काम किया है। मामा हसरत जयपुरी, मुझसे बेहद प्यार करते थे। मैं उनका लाडला था, क्योंकि घर में सबसे छोटा मैं ही था। मुझे उनसे बहुत प्यार मिला। हालांकि उस समय वे काफी ओल्ड हो चुके थे, लेकिन उन्होंने मुझे प्रेडिक्ट किया था कि तुम्हारे अंदर भी एक संगीतकार छुपा है, तुम गाने बना सकते हो। मैंने बोला कि मैं तो कुछ सीखा ही नहीं हूं। उस समय तक वे जुहू स्थिति अपने बंगले में रहने के लिए आ गए थे। जुहू में उनका भव्य बंगला था। फाइनेंशियली बहुत ही सिक्योर इंसान थे। वे और उनकी वाइफ ने फैमिली के लिए बड़े-बड़े डिसीजन लिये। अपने जमाने में उनकी बहुत ही सक्सेसफुल फैमिली रही है। वे आने वाली 10 की तकलीफ उठाने की जरूरत नहीं थी, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। अपने काम के प्रति फोकस्ड थे-उनकी बहुत ही क्रिएटिव और बड़े कमाल की पर्सनालिटी थी। अपने काम के प्रति इतना फोकस्ड और इतना लीन होना उनसे सीखा जा सकता है। मतलब उनके पास किसी तरह का कोई डायवर्जन ही नहीं था। दिन भर लफ्जों की कहानी में बिजी रहते थे। उन्होंने कभी नॉर्मल जिंदगी जिया ही नहीं। हर एक पल, हर एक क्षण उनको सिर्फ म्यूजिक, लिरिक्स, गीत-गाने, मुखड़े ही सुनते थे। कमाल की शख्सियत थी। डायरेक्टर वगैरह से मिलना हो, तभी वे पार्टी-फंक्शन में जाते थे। अपने जमाने में राइटिंग कि हिसाब से कमर्शियल सक्सेसफुल इंसान रहे। उन्होंने अपने दौर में जो समय देखा है, वह कोई देख ही नहीं सकता। इतना पॉवर, इतनी कमर्शियल सक्सेस, बाप रे बाप! वॉव!! आज अतीत में जाएंगे, तब पाएंगे कि क्या गाने और क्या पिक्चर, क्या काम किया हैं। उनके बारे जितना सुना है, वह यह है कि वे अपनी फैमिली को संभालने जयपुर से मुंबई आए थे। यहां चौपाटी पर बैठकर खिलौने बेचते थे। फिर उनको बस कंडक्टर की नौकरी मिली।

फिर किसी मुशायरे में बतौर पोएट उनको पृथ्वी राज कपूर मिले। पृथ्वी राज कपूर ने उन्हें रेकमेंड किया है कि मेरे बेटे राज कपूर से मिलिए। वहां से कहानी शुरू हुई। मैंने इतना मेहनत करने वाला इंसान अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा। 'बाहरों फूल बरसाओ...', 'लिखे जो खत तुझे...', 'तुम मुझे यूं न भुला पाओगे...', 'एहसास तेरा होगा मुझ पर...' 'जिन्दगी एक सफर है सुहाना...' आदि उनके लिखे मेरे पसंदीदा गानों की लिस्ट ही खत्म नहीं होगी। आज सोचता हूं कि इतना दिग्गज इंसान इस पृथ्वी पर आया और इतने अच्छे रोमेंटिक गाने लिखकर चला गया। हम तो सारी जिंदगी उनके मुरीद ही बने रहेंगे।

कभी-कभी खुद को खुशकिस्मत समझते हैं, जो उनको दिल से दिल गले लगाने मौका मिला। हम उनको किस कर सके और वे हमारे माथे को चूम सके।

यह हमारी किस्मत थी कि इतने बड़े आदमी का हमें प्यार मिला। उन्हें वेज-नॉन वेज सब पसंद था। उनके बेटे भी कहते हैं कि गाना और खाना उनका फेवरिट रहा है।

वे अपनी बहन यानी मेरी मम्मी के हाथ का खाना खाने के लिए शंकर-जयकिशन, राज कपूर आदि के साथ घर आया करते थे।

मेरी मम्मी बहुत अच्छा नॉन वेजिटेरियन बनाती थी। वे घर पर फोन करके बोलते थे कि नंदो से कहना कि आज शाही कबाब बना दें। मेरी मम्मी के खाने पकाने पर उनको बड़ा गर्व था।

वे बड़े साधारण तरीके जन्मदिन मनाते थे। जन्मदिन पर गरीबों को खाना बांटते थे।

दिब्येंदु बोले- रेस्पेक्ट मांगी नहीं जाती, काम से मिलती है,जीवन में बहुत रिजेक्शन झेले

मुंबई। 'मामला लीगल है' के दूसरे सीजन के साथ दिब्येंदु भट्टाचार्य फिर चर्चा में आए। उन्होंने करियर, स्ट्रगल और नए प्रोजेक्ट्स पर बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस सीजन में कहानी पहले से ज्यादा गहरी हो जाती है। इसमें इंटरनेशनल रिलेशन, फिलॉसफी और कैपिटल पनिशमेंट जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं।शो सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं, सोचने पर मजबूर करने वाला अनुभव बनता है। उन्होंने 'अनदेखी 4', 'अल्फा' और 'गुलाबी' पर अपडेट दिए। अमिताभ बच्चन, आमिर खान और हुमा कुरैशी के साथ काम के अनुभव साझा किए। मुंबई के शुरुआती संघर्ष और घर बनाने की जद्दोजहद भी याद की। सीजन में क्या खास है पर उन्होंने बताया-ज्यादा बताऊंगा तो स्पॉइलर हो जाएगा, लेकिन पहले सीजन में एक मजबूत दुनिया बनाई गई थी। दूसरे सीजन में वही दुनिया और गहरी हो जाती है। इस बार इंटरनेशनल रिलेशनशिप, फिलॉसफी और मेरे किरदार के जरिए अहम मैसेज देने की कोशिश की गई है। कैपिटल पनिशमेंट जैसे मुद्दों पर भी बात होती है। कॉमिक एलिमेंट के साथ यह सीजन डीप है और दर्शकों को एंटरटेनमेंट के साथ बहुत कुछ सिखाता है। सवालः फिल्म 'अल्फा' और आलिया भट्ट के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबः फिल्म के बारे में अभी ज्यादा नहीं कह सकता, क्योंकि एनडीए में है। यह एक बड़ी फिल्म है। आलिया भट्ट बहुत अच्छी एक्ट्रेस और शानदार इंसान हैं। उनसे मुलाकात वेब सीरीज 'पोचर' के दौरान हुई थी, जहां वो एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर थीं।सवालः वेब सीरीज 'अनदेखी 4' में क्या नया देखने को मिलेगा? जवाबः 'अनदेखी' की दुनिया वही है, लेकिन कहानी में नए ट्विस्ट आते हैं। यह बिंज-वॉच शो है। एक बार देखना शुरू करेंगे तो खत्म करके ही उठेंगे। जैसे जिंदगी बदलती है, वैसे ही 'अनदेखी' की दुनिया भी बदलती रहती है। सवालः फिल्म 'गुलाबी' में हुमा कुरैशी के साथ आपकी केमिस्ट्री कैसी रही? जवाबः हुमा कुरैशी शानदार एक्ट्रेस और बहुत अच्छी इंसान हैं।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स
एण्ड
पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी
प्रयागराज उ.प्र. 211008
से मुद्रित एवं एम2ए/25
एडीए कालोनी नैनी
प्रयागराज 211008
(उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhunikamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।